मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 331
रविवार, 21 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिरा, 7 लोगों की मौत, 30 श्रद्धालु घायल

परभणी, 20 जून। हाराष्ट्र के परभणी में शनिवार को एक दुखद घटना में मंदिर की छत का एक हिस्सा ढह गया। शुरूआती खबरों के अनुसार, कई श्रद्धालुओं के मलबे में दबे होने की आशंका है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि 30 से 40 लोगों के फंसे होने की आशंका है, आठ लोगों को बचा लिया गया है, पांच की हालत गंभीर है और बाकी लोगों को बचाने का काम जारी है। ताजा खबरों के मुताबिक, पांच लोगों की मौत हो गई और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भेजा जा रहा है और वे अभी भी नुकसान का अंदाजा लगा रहे हैं और यह पता कर रहे हैं कि क्या मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं। गिरने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। बचाव कार्य जारी है और आगे की जानकारी का इंतजार है। यह घटना ऐसे समय में हुई जब सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर में जमा हुए थे, क्योंकि आमतौर पर शनिवार को हनुमान मंदिरों में ज्यादा भीड़ होती है। मंदिर में भीड़ के दौरान, बन रहे असेंबली हॉल की छत का एक हिस्सा और एक सपोर्टिंग पिलर अचानक गिर गया, जिससे नीचे खड़े श्रद्धालु उसकी चपेट में आ गए और मौके पर अफरातफरी मच गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर शनिवार को ज़िले भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा के लिए यशवाड़ी मंदिर आते हैं। आज भी, प्रार्थना के लिए मंदिर परिसर में भारी भीड़ जमा हुई थी। इसी बीच, मुख्य मंदिर के सामने बन रहे हॉल का एक पिलर अचानक गिर गया, जिससे इलाके में अफरातफरी और भगदड़ मच गई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पिलर के मलबे के नीचे 50 से ज्यादा श्रद्धालुओं के फंसे होने की आशंका है। घटना की खबर मिलते ही मनवत पुलिस के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर शिंदे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख जताते हुए कहा, परभणी ज़िले के यशवाड़ी में बन रहे हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिरने से कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। मैं मारे गए श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि देता हूँ और पीड़ित परिवारों के दुख में शामिल हूँ।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने 81 फुट ऊंची श्रीराम प्रतिमा का निर्माण रोका, विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू

ढाका, 20 जून। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार रात हजारों हिंदू सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकालकर उत्तरी बांग्लादेश के गैबांधा जिले में प्रस्तावित विशाल श्रीराम प्रतिमा परियोजना को रोकने के फैसले का विरोध किया। शाहबाग से नेशनल प्रेस क्लब तक निकाले गए मार्च में जय श्रीराम के नारे गूंजे। प्रदर्शन में विभिन्न हिंदू संगठनों, छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। विवाद का केंद्र गैबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में बन रही 81 फुट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा है। परियोजना में 53 फुट ऊंची भगवान कृष्ण और 30 फुट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा भी प्रस्तावित थी। करीब 22 करोड़ बांग्लादेशी टका की लागत वाले इस प्रोजेक्ट की शुरूआत 2025 में निजी फंडिंग से की गई थी। परियोजना का संचालन स्थानीय मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा था। मंदिर समिति का आरोप है कि कुछ कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने परियोजना का विरोध किया और निर्माण कार्य रोकने के लिए दबाव बनाया। हिंदू संगठनों का यह भी दावा है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया और उसे नुकसान पहुंचाया गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। राम प्रतिमा परियोजना को फिर से शुरू कराया जाए। हिंदू धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जाए। संगठनों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर देशव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। विरोध कर रहे कुछ इस्लामी संगठनों, जिनमें इमाम-उलमा परिषद का नाम भी सामने आया है, ने परियोजना की फंडिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी वित्तीय जांच कराई जाए और यह पता लगाया जाए कि धन कहां से आया। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर पहले से चिंता व्यक्त की जाती रही है। विभिन्न अल्पसंख्यक संगठनों ने पिछले वर्षों में मंदिरों, धार्मिक स्थलों और समुदाय के लोगों पर हमलों के मामलों को लेकर कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।

हम दो-हमारे 1.9: भारत में तेजी से घट रही प्रजनन दर का क्या है कारण?

नई दिल्ली, 20 जून। कभी बढ़ती आबादी भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिनी जाती थी। 'हम दो, हमारे दो' जैसे परिवार नियोजन अभियान चलाए जाते थे और चिंता इस बात की होती थी कि बढ़ती जनसंख्या के लिए भोजन, शिक्षा और रोजगार की व्यवस्था कैसे की जाए। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। भारत की कुल प्रजनन दर 2024 में घटकर 1.9 बच्चे प्रति महिला रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे है। इसका मतलब है कि मौजूदा दर पर लंबे समय में आबादी को स्थिर बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2031 तक यह आंकड़ा घटकर 1.6 तक पहुंच सकता है। प्रजनन दर में गिरावट केवल जनसंख्या का मुद्दा नहीं है, बल्कि भारतीय समाज में हो रहे बदलावों की कहानी भी है। आज महिलाएं पहले की तुलना में कई फैसले खुद ले रही हैं। पहले जहां शादी के तुरंत बाद बच्चे होना सामान्य माना जाता था, वहीं अब कई युवा दंपति पहले करियर, आर्थिक स्थिरता और जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रजनन दर के घटने का सबसे बड़ा कारण महिलाओं का शिक्षित होना है। रिपोर्ट के मुताबिक, 46.4% भारतीय महिलाओं ने कम से कम 10 वर्ष की स्कूली शिक्षा पूरी की है, जबकि पहले यह आंकड़ा 41% था। आंकड़े बताते हैं कि शिक्षा बढ़ने के साथ प्रजनन दर घटती है। यानी जितनी अधिक शिक्षा, उतने कम बच्चे। भारत में महिलाओं की औसत विवाह आयु बढ़कर 23.1 वर्ष हो गई है। अब सबसे अधिक जन्म 20-24 वर्ष की बजाय 25-29 वर्ष आयु वर्ग में हो रहे हैं। देर से शादी और देर से मातृत्व के कारण बच्चों की संख्या भी कम हो रही है। शहरी और ग्रामीण भारत के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार शहरों में बढ़ती महंगाई, मकान और शिक्षा की लागत, सीमित जगह और दोहरी आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या छोटे परिवारों को बढ़ावा दे रही है। 2024 में दर्ज जन्मों में 66.4% पहले बच्चे के जन्म थे। केवल 3.5% जन्म चौथे या उससे अधिक बच्चे के थे। यह संकेत है कि भारत तेजी से एक या दो बच्चों वाले परिवारों की ओर बढ़ रहा है। भारत की घटती प्रजनन दर किसी संकट की कहानी नहीं, बल्कि बदलते समाज की तस्वीर है। छोटे परिवार अब अपवाद नहीं, बल्कि नया सामान्य बनते जा रहे हैं।

कुत्ते भौंक रहे हैं, खाल पहन भेड़िया बाघ नहीं बनता, एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज

मुंबई, 20 जून । महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने पार्टी के 60वें स्थापना दिवस समारोह में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधा। 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर चल रही अटकलों के बीच एकनाथ शिंदे ने जल्द ही होने वाले राजनीतिक बदलाव के बड़े संकेत दिए। उन्होंने कहा कि यह तो बस ट्रेलर है, असली फिल्म तो अभी आनी बाकी है। पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए शिंदे ने तीखे शब्दों में उन विपक्षी नेताओं को जवाब दिया जो इस संभावित दलबदल को लेकर उन पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे थे कि वह क्या कहेंगे और मंच पर कौन-कौन होगा। एकनाथ शिंदे ने कहा कि देखो, आज यह शेर तुम्हारे ठीक सामने खड़ा है। पिछले कुछ दिनों से देख रहे हैं कि कुछ कुत्ते रोज भौंकते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि कुत्ते झुंड में भौंकते हैं, जबकि शेर अकेला चलता है।

उद्धव ठाकरे या शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत का नाम लिए बिना शिंदे ने यूबीटी गुट की 'ऑपरेशन तुड़वा' वाली चेतावनी का जवाब दिया। राउत ने धमकी दी थी कि अगर बागी विधायक अपने चुनाव क्षेत्रों में आए तो पार्टी कार्यकर्ता उन्हें कुचल देंगे। एकनाथ शिंदे ने राउत के राजनीतिक कद का मजाक उड़ाया और यूबीटी नेतृत्व को खुली और कड़ी चुनौती दी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि कुछ लोगों ने दावा किया था कि वह भेड़ियों का ऑपरेशन करेंगे, लेकिन उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह तो बस एक कंपाउंडर है। एक कंपाउंडर ऑपरेशन कैसे कर सकता है? यहां श्रीकांत शिंदे (उनके बेटे) ही असली डॉक्टर हैं। भले ही मैं डॉक्टर नहीं हूं, फिर भी मुझे ऑपरेशन करना आता है और ऑपरेशन करने के लिए शेर जैसा दिल चाहिए होता है, भेड़िये जैसा नहीं। उन्होंने उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि भेड़िया, बाघ की खाल ओढ़ लेने से बाघ नहीं बन जाता। जून 2022 में अपनी बगावत को याद करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हीं नेताओं ने चार साल पहले उन्हें धमकी दी थी, जब वे मुंबई लौटे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे वर्ली होकर आना होगा। मुंबई किसी की निजी जागीर नहीं है। मैं सड़क मार्ग से अकेले आया, एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं किया और वर्ली में रुका भी। उस समय, जो लोग मुझे धमकी दे रहे थे, वे अपने घरों में बैठकर मुझे ऑनलाइन देख रहे थे। वरिष्ठ नेता रामदास कदम की बातों का समर्थन करते हुए शिंदे ने चेतावनी दी कि अगर यूबीटी गुट ऑपरेशन तुड़वा की बात करता है तो उनमें उनके गुट का सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या हमारे जोशीले शिवसैनिक किसी को कुचलने के लिए आपके पैर सलामत छोड़ेंगे? हमारे कार्यकर्ता बालासाहेब ठाकरे की कट्टर विचारधारा को मानते हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह जहां भी जाते हैं, वहां हार उनका पीछा करती है। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी 'बार-बार हारने वालों के कप्तान' हैं। शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग कुछ दलों को कांग्रेस में विलय की सलाह दे रहे हैं, उन्हें पहले अपनी घटती ताकत पर आत्मचिंतन करना चाहिए। शिंदे ने कहा कि जब उन्होंने 2022 में अलग रास्ता चुना था, तब विपक्ष ने दावा किया था कि उनका एक भी विधायक नहीं जीतेगा और उन्हें गांव लौटकर खेती करनी पड़ेगी।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि कुछ लोग उनके और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन महायुति पूरी तरह एकजुट और मजबूत है। उन्होंने विश्वास जताया कि विधान परिषद चुनाव में विपक्ष अपना खाता भी नहीं खोल पाएगा।

मराठी नहीं सीखने वाले मुंबई के ऑटो- टैक्सी ड्राइवर्स के खिलाफ 15 अगस्त के बाद महाराष्ट्र सरकार लेगी एक्शन

मुंबई, 20 जून। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन विभाग ने राज्य में ऑटो और टैक्सी चलाने वाले गैर मराठी चालकों के लिए मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान अनिवार्य करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 अगस्त के बाद जिन गैर मराठी ऑटो-टैक्सी चालकों के पास मराठी भाषा का प्रमाणपत्र नहीं होगा, उनके खिलाफ नियमों के तहत कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में लागू की जा रही इस पहल के तहत 1 जून से 15 अगस्त के बीच सभी गैर मराठी ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए चार घंटे का 'मराठी भाषा संचार पाठ्यक्रम' पूरा करना अनिवार्य किया गया है।

इस कार्यक्रम के लिए महाराष्ट्र राज्य मराठी भाषा विभाग, कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ को अधिकृत विशेषज्ञ संस्थाओं के रूप में नियुक्त किया गया है। इन संस्थाओं के माध्यम से चालकों को मराठी भाषा का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा और परिवहन विभाग केवल इन्हीं संस्थाओं द्वारा जारी प्रमाणपत्रों को मान्यता देगा।

परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त रवि गायकवाड़ के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में इस प्रशिक्षण अभियान को बड़े स्तर पर चलाया जा रहा है। इसके लिए करीब 71 अध्ययन केंद्र सक्रिय किए गए हैं। अभियान को मजबूत बनाने के लिए कोंकण मराठी साहित्य परिषद के लगभग 4,500 शिक्षक प्रशिक्षण कार्य में शामिल हुए हैं। साथ ही सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) भी चालकों को आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। विभाग ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यात्रियों और चालकों के बीच संवाद में आने वाली भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना और चालकों के पेशेवर अवसरों को बढ़ाना है। मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान होने से यात्रियों और चालकों के बीच संवाद अधिक प्रभावी होगा और दैनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी। परिवहन विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 15 अगस्त के बाद जिन गैर मराठी चालकों के पास आधिकारिक प्रमाणपत्र नहीं होगा, उनके खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी के खिलाफ कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि सभी चालकों को निःशुल्क प्रशिक्षण का लाभ उठाकर समय रहते प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है।

नागपुर में RSS मुख्यालय पहुंचे अनंत अंबानी, मोहन भागवत से की सीक्रेट मुलाकात

नागपुर, 20 जून। रिलायंस इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर अनंत अंबानी ने नागपुर के महल इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने फरर प्रमुख मोहन भागवत से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात ने राजनीतिक, सामाजिक और औद्योगिक हलकों में दिलचस्पी पैदा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरे के दौरान कई सामाजिक पहलों, राष्ट्रीय विकास और जन-कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। हालाँकि, बातचीत के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। नागपुर स्थित फरर मुख्यालय में अक्सर अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां आती रहती हैं और अनंत अंबानी के दौरे को भी इसी नजरिए से देखा जा रहा है। भारत के प्रमुख युवा उद्योगपतियों में से एक और RSS प्रमुख के बीच हुई इस मुलाकात को जानकार अहम मान रहे हैं। माना जा रहा है कि अनंत अंबानी ने मोहन भागवत से मिलकर उन्हें 'वंतारा' वाइल्डलाइफ और संरक्षण प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। चूंकि नागपुर RSS का मुख्यालय है, इसलिए ऐसी हाई-प्रोफाइल यात्राएं अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचती हैं। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चचाएं तेज हो गई हैं, और अनंत अंबानी की नागपुर यात्रा ने एक बार फिर फरर मुख्यालय की ओर सबका ध्यान खींचा है। अनंत अंबानी से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नागपुर के महल इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय का दौरा किया। वे रक्षा निर्माण से जुड़े एक बड़े कार्यक्रम के सिलसिले में शहर के दौरे पर थे और इस दौरान उन्होंने फरर प्रमुख मोहन भागवत के साथ बंद कमरे में बैठक की। बाद में उसी दिन उद्योगपति अनंत अंबानी ने भी RSS मुख्यालय में भागवत से अलग से मुलाकात की।

विश्व संगीत दिवस –21 जून 2026

संगीत है शांति, संवेदना और मानवता का स्वर

–ललित गर्ग

आज का विश्व अभूतपूर्व संकटों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर युद्धों की विभीषिका है, दूसरी ओर आतंकवाद का भय, सामाजिक हिंसा, मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन और असहिष्णुता का बढ़ता हुआ वातावरण। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न तो बनाया है, लेकिन मनुष्य के भीतर की शांति, संतुलन और आनंद कहीं खोता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई शक्ति मनुष्य को स्वयं से, समाज से और मानवता से पुनः जोड़ सकती है तो वह है-संगीत। संगीत केवल मनोरंजन नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी संवेदनाओं का जागरण है। यह आत्मा की भाषा है, जो बिना शब्दों के भी हृदय तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि 21 जून को विश्व संगीत दिवस केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को शांति, संवेदना और सौहार्द का संदेश देने वाला वैश्विक उत्सव बन गया है।

विश्व संगीत दिवस का आरम्भ 1982 में फ्रांस से हुआ था। इसका मूल उद्देश्य था कि संगीत सभागारों और मंचों तक सीमित न रहे, बल्कि सड़कों, पार्कों, चौपालों और जनजीवन में उतरे। धीरे-धीरे यह उत्सव 120 से अधिक देशों तक पहुंच गया। आज यह दिन हमें याद दिलाता है कि संगीत किसी देश, धर्म, जाति या भाषा का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा धरोहर है। वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बढ़ती हुई कठोरता और संवेदनहीनता है। हथियारों से पहले विचार हिंसक होते हैं और विचारों को मानवीय बनाने का सामर्थ्य संगीत में है। संगीत मनुष्य के भीतर करुणा, प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना जगाता है। जहां संवाद समाप्त हो जाता है, वहां संगीत संवाद का नया मार्ग खोल देता है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी शांति नहीं दी, लेकिन संगीत ने सदैव टूटे हुए दिलों को जोड़ा है। सैनिक मोर्चों पर भी गीतों ने साहस जगाया है और शांति आंदोलनों में भी संगीत ने मानवता की आवाज बनकर कार्य किया है। आज जब दुनिया के अनेक हिस्से संघर्षों से जूझ रहे हैं, तब संगीत सीमाओं से परे जाकर मनुष्यों के बीच एक अदृश्य पुल का निर्माण कर सकता है। संगीत का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि यह मनुष्य को

भीतर से स्वस्थ बनाता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि संगीत केवल कानों को सुख नहीं देता, बल्कि शरीर और मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालता है। अनेक शोधों से प्रमाणित हुआ है कि मधुर संगीत तनाव हार्मोन को कम करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है, अनिद्रा में राहत देता है तथा अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में सहायक होता है।

आज दुनिया में करोड़ों लोग मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़, अकेलापन और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को भीतर से थका दिया है। ऐसे समय में संगीत एक औषधि की तरह कार्य करता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक अस्पतालों में संगीत-चिकित्सा- म्यूजिक थैरेपी का प्रयोग किया जा रहा है। यह चिकित्सा व्यक्ति के मन को शांत कर उसके भीतर आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। संगीत का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि रचनात्मकता और सृजनशीलता से भी है। जहां संगीत होता है, वहां जीवन में लय होती है। लयहीन जीवन तनाव पैदा करता है, जबकि संगीत जीवन को संतुलन प्रदान करता है। संगीत सुनने वाला व्यक्ति अधिक संवेदनशील, अधिक कल्पनाशील और अधिक रचनात्मक बनता है। यही कारण है कि साहित्य, कला, चित्रकला, नृत्य और अन्य सृजनात्मक क्षेत्रों में संगीत की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। यदि गहराई से देखा जाए तो संपूर्ण प्रकृति स्वयं एक विराट संगीत है। पक्षियों का कलरव, कोयल की कूक, झरनों की कलकल, समुद्र की लहरों का संगीत, वर्षा की रिमझिम, हवा की सरसराहट और पत्तों की थिरकन-सबमें संगीत की ही अभिव्यक्ति है। प्रकृति का यह संगीत हमें सिखाता है कि जीवन संघर्ष नहीं, समन्वय का नाम है। जहां समन्वय है, वहां संगीत है; जहां संगीत है, वहां शांति है।

भारतीय संस्कृति में संगीत को दिव्यता का स्वरूप माना गया है। भगवान शिव के डमरू से निकली ध्वनियों को सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीक माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि प्रेम, आकर्षण और आत्मिक एकता का प्रतीक है। मां सरस्वती के हाथों में वीणा ज्ञान और संगीत के अद्भुत समन्वय का संदेश देती है। भारतीय संगीत की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। वेदों के मंत्रों से लेकर सामवेद के गायन तक, भक्ति आंदोलन के संतों से लेकर शास्त्रीय संगीत के महान आचार्यों तक, संगीत ने भारतीय समाज को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीरा, नामदेव, तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान व्यक्तित्वों ने संगीत को जन-जन तक पहुंचाया। संगीत केवल कला नहीं, बल्कि अहिंसा का भी माध्यम है। हिंसा मनुष्य को विभाजित करती है, जबकि संगीत जोड़ता है। आतंकवाद और कट्टरता का जन्म घृणा से होता है, जबकि संगीत प्रेम का वातावरण निर्मित करता है। यदि बच्चों को बचपन से संगीत, कला और संस्कृति से जोड़ा जाए तो उनके भीतर संवेदनशीलता और सहिष्णुता विकसित होगी। यही संवेदनशीलता भविष्य में हिंसा और कट्टरता के विरुद्ध सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। आज विश्व को जिस प्रकार योग की आवश्यकता है, उसी प्रकार संगीत की भी आवश्यकता है। वास्तव में संगीत और योग दोनों एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं-आंतरिक संतुलन और आत्मिक शांति। योग शरीर और मन को जोड़ता है, जबकि संगीत मन और आत्मा को जोड़ता है। दोनों मिलकर व्यक्ति को सम्पूर्ण स्वास्थ्य और संतुलित जीवन की दिशा प्रदान करते हैं। संगीत सामाजिक सौहार्द का भी महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी उत्सव, पर्व, विवाह, धार्मिक आयोजन या राष्ट्रीय समारोह की कल्पना संगीत के बिना नहीं की जा सकती। संगीत लोगों को एक साथ बैठने, सुनने और अनुभव करने का अवसर देता है। जहां लोग साथ गाते हैं, वहां वैमनस्य के लिए स्थान कम रह जाता है। विश्व संगीत दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि दुनिया को अधिक शांतिपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक संवेदनशील बनाना है तो संगीत को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। संगीत को केवल मंचों और कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि विद्यालयों, परिवारों, कार्यस्थलों और सामाजिक जीवन में भी उसे सम्मानजनक स्थान देना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम संगीत को केवल मनोरंजन का साधन न मानें, बल्कि जीवन-शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता और विश्वशांति के प्रभावी माध्यम के रूप में स्वीकार करें। जब दुनिया युद्ध के शोर से कांप रही हो, तब संगीत ही वह मधुर स्वर है जो मानवता को बचा सकता है। जब मनुष्य तनाव और अवसाद से घिरा हो, तब संगीत ही वह प्रकाश है जो भीतर आशा की किरण जगाता है। वस्तुतः संगीत अहिंसा है, संगीत योग है, संगीत शांति है, संगीत ऊर्जा है और संगीत मानवता की आत्मा का स्वर है। विश्व संगीत दिवस इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है कि जब तक संगीत जीवित है, तब तक मनुष्य के भीतर प्रेम, करुणा और शांति की संभावना भी जीवित रहेगी।

क्या समाजवादी पार्टी का विभाजन हो सकता है?

अशोक भाटिया

भाजपा क्षेत्रीय कानपुर-बुंदेलखंड अध्यक्ष प्रकाश पाल ने दावा किया है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में बड़ा विभाजन होगा और पार्टी टूट जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में परिवारवादी, जातिवादी और भ्रष्टाचारवादी राजनीति करने वाले दल या तो समाप्त हो रहे हैं या फिर टूट रहे हैं। प्रकाश पाल ने कहा कि ईडी (इंडिया) गठबंधन की पिछली बैठक में ही साफ दिख रहा था कि गठबंधन बिखराव की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को ऐसे दलों ने अपने बहकावे में रखा था, वे भी अब उनसे दूर हो रहे हैं। लोकतंत्र में जनता अब ऐसी राजनीति से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में जिस तरह शिवसेना का विभाजन हुआ, उसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में टूट हुई। बंगाल में भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से लगातार लोग अलग हो रहे हैं। ये सभी व्यक्तिवादी और परिवारवादी राजनीति करने वाले दल हैं। प्रकाश पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी भी एक परिवारवादी पार्टी है, जहां सभी बड़े निर्णय एक ही परिवार के लोग कमरे में बैठकर करते हैं। कुछ समय पहले सपा के कई विधायक टूटे थे और उनकी जानकारी के अनुसार आने वाले समय में भी कई विधायक अलग हो सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले सपा के भीतर बड़ा विभाजन होगा।पाल ने कहा कि ऐसे दल अब सिमटते जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी से बड़ी संख्या में विधायक और सांसद अलग हो चुके हैं। इसी तरह 2027 के चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में भी टूट देखने को मिलेगी। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए प्रकाश पाल ने कहा कि कांग्रेस इस गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ दल केवल सत्ता हासिल करने के लिए घुसपैठियों को वोटर बनाना चाहते हैं और इसी कारण विभिन्न व्यवस्थाओं का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल अधिकांश दल ऐसे मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते रहे हैं।

तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी में भी कुछ ऐसी ही कहानी सामने आ सकती है।उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ा विभाजन होने की संभावना है और कई सपा नेता भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंत्री के आरोपों का खंडन करते हुए राजभर के बयानों और इरादों पर सवाल उठाए हैं। पर एक पोस्ट में, राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (एसपी) के नेता राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र सौंपा था, हालांकि उन्होंने कथित संचार का विवरण नहीं दिया। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सहयोगी एसबीएसपी के प्रमुख राजभर ने अपने पोस्ट में दावा किया, समाजवादी पार्टी में बड़ा विभाजन होने वाला है। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र सौंपा है। राजभर की आलोचना करते हुए, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, ?दाना और गाना कब तक चलेगा ये अफसाना (कब तक उनका 'फायदा और गाना' चलेगा) लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी का ध्यान अब गोरखपुर में अपनी संगठनात्मक रणनीति को मजबूत करने पर है। उन्होंने कहा, इस बार हम गोरखपुर में भाजपा को शून्य पर लाने के लिए काम करेंगे। हमने गोरखपुर में नतीजे बदलने का संकल्प लिया है। बहुत जल्द पार्टी संगठन यह तय करेगा कि यहां पार्टी की बैठक कब आयोजित की जाए।

पर देखा जय तो सैद्धांतिक और कानूनी रूप से किसी भी राजनीतिक दल का विभाजन संभव है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में समाजवादी पार्टी (SP) में किसी बड़े विभाजन की हाल फिलहाल संभावना बहुत कम लगत्ती है, पर राजनीति में कुछ भी असंम्भव नहीं है । कहा जाता है कि धुवाँ तभी उठता है जब चिंगारी लगी हो। भारतीय राजनीति और विशेषकर उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) एक अत्यंत महत्वपूर्ण धुरी है। समय-समय पर विपक्षी दलों के बयानों, आंतरिक असंतोष की खबरों और मीडिया बहसों में यह सवाल तैरता रहता है कि ?क्या समाजवादी पार्टी का भविष्य में विभाजन हो सकता है? किसी भी राजनीतिक दल में टूट या विभाजन की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि राजनीति संभावनाओं का खेल है। हालांकि, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, पार्टी की संगठनात्मक संरचना और कानूनी बाध्यताओं को देखते हुए निकट भविष्य में समाजवादी पार्टी के विभाजन की संभावना बेहद क्षीण नजर आती है।

वैसे समाजवादी पार्टी में विभाजन की चर्चाएं नई नहीं हैं। साल 2016-17 के दौरान पार्टी ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा आंतरिक संकट देखा था। वह दौर पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव, उनके भाई शिवपाल सिंह यादव और तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बीच सत्ता और संगठन पर नियंत्रण के संघर्ष का था।शिवपाल यादव और अखिलेश यादव के बीच टिकट बंटवारे और संगठन के पदों को लेकर तीखा टकराव हुआ।

जनवरी 2017 में एक विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाकर अखिलेश यादव को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। चुनाव आयोग ने भी अखिलेश यादव के गुट को ही असली 'समाजवादी पार्टी' माना और 'साइकिल' चुनाव चिह्न उन्हें सौंप दिया। शिवपाल यादव ने बाद में अलग होकर 'प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया)' का गठन किया।

यह समाजवादी पार्टी के इतिहास में विभाजन के सबसे करीब का क्षण था। हालांकि, यह पूरी तरह से विभाजन न होकर एक सत्ता परिवर्तन था, जिसमें पार्टी का बड़ा हिस्सा, कैडर और विधायक अखिलेश यादव के साथ बने रहे। वर्तमान में शिवपाल यादव की पार्टी का सपा में विलय हो चुका है और परिवार एकजुट दिख रहा है।

आज के समय में किसी भी राजनीतिक दल का विभाजन केवल नेताओं की इच्छा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इसके लिए सख्त कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के तहत किसी भी पार्टी में वैध विभाजन के लिए कुछ कड़े नियम हैं: यदि किसी दल के निर्वाचित प्रतिनिधियों (विधायकों या सांसदों) का एक समूह अलग होना चाहता है, तो मूल पार्टी की सदस्यता बचाए रखने के लिए उनके पास कुल संख्या का कम से कम दो-तिहाई बहुमत होना अनिवार्य है।यदि दो-तिहाई से कम संख्या में विधायक या सांसद बगावत करते हैं, तो दलबदल कानून के तहत उनकी सदन की सदस्यता तुरंत समाप्त हो जाएगी।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधानसभा और लोकसभा में समाजवादी पार्टी के पास मजबूत संख्या बल है। इतने बड़े पैमाने पर (दो-तिहाई) विधायकों या सांसदों को तोड़ना किसी भी विरोधी दल या बागी गुट के लिए एक बेहद कठिन और लगभग असंभव कार्य है।

साथ ही २०२४ के लोकसभा चुनावों के परिणाम ने समाजवादी पार्टी की आंतरिक स्थिरता को अभूतपूर्व मजबूती दी है। चुनावों में सपा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जिसने ३७ लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस सफलता ने पार्टी के भीतर और बाहर कई समीकरण बदल दिए हैं: इस प्रचंड जीत ने अखिलेश यादव को एक परिपक्व और सफल रणनीतिकार के रूप में स्थापित कर दिया है। अब पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को चुनौती देने वाला कोई बड़ा स्वर मौजूद नहीं है। चुनावी सफलता के बाद पार्टी का काडर और जमीनी कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। जब कोई पार्टी सत्ता की दौड़ में मजबूती से आगे बढ़ रही होती है, तो उसके टूटने या बगावत की आशंका न्यूनतम हो जाती है।

उत्तर प्रदेश के सत्तारूढ़ दल (भाजपा) और उसके सहयोगियों (जैसे ओम प्रकाश राजभर या अन्य नेता) द्वारा अक्सर सपा में टूट के दावे किए जाते रहे हैं। राजनीति में ऐसे बयान अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और विपक्षी खेमे में भ्रम फैलाने के लिए दिए जाते हैं, जिनमें रणनीतिक गहराई कम और राजनीतिक बयानबाजी अधिक होती है।

सोचने वाली बात यह भी है कि क्या भविष्य में विभाजन के कोई संभावित कारण हो सकते हैं? कहा जा सकता है कि यद्यपि वर्तमान में विभाजन असंभव लगता है, लेकिन दीर्घकालिक राजनीति में कुछ ऐसे कारक हो सकते हैं जो आंतरिक असंतोष को जन्म दे सकते हैं:

जैसे किसी भी बड़े दल में जब नेताओं की संख्या बढ़ती है, तो चुनावी टिकटों के वितरण के समय असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। यदि भविष्य में वरिष्ठ नेताओं या कुछ विशेष क्षेत्रों के कद्दावर नेताओं को यह महसूस होने लगे कि संगठन में उनकी उपेक्षा हो रही है, तो वे अलग रास्ता चुन सकते हैं। हालांकि, यह व्यक्तिगत दलबदल होगा, पार्टी का विभाजन नहीं। अखिलेश यादव ने 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा देकर एक बड़ा सामाजिक गठबंधन तैयार किया है। इस गठबंधन को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। यदि पार्टी के भीतर गैर-यादव ओबीसी, दलित या मुस्लिम नेताओं को यह लगने लगे कि सत्ता और संगठन के शीर्ष पदों पर केवल एक विशेष वर्ग का नियंत्रण है, तो वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। भविष्य में जब पार्टी की अगली पीढ़ी राजनीति में कदम रखेगी, तब नेतृत्व और विरासत को लेकर आंतरिक खींचतान की संभावनाएं बन सकती हैं। पारिवारिक पार्टियों में अक्सर अगली पीढ़ी के आगमन पर आंतरिक गुटबाजी का खतरा बढ़ जाता है। फिलहाल यह पूरी बहस बीजेपी गठबंधन के दावों और समाजवादी पार्टी के बचाव के बीच एक गंभीर 'पॉलिटिकल वॉर' का रूप ले चुकी है। आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इन अटकलों ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का पारा जरूर बढ़ा रखा है।

गुजरे जमाने के फुटपाथ और छाँव देते दरख़्त

–संजय सक्सेना

शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में सड़कों के किनारे बने फुटपाथ और लंबी दूरी के मार्गों के किनारे हरियाली सहित पथिकों को छाया देने वाले वृक्ष अतीत की बात हो गए हैं। फुटपाथ पर दुकानदारों ने कब्जा कर लिया है तो वृक्ष कहीं मार्ग चौड़ीकरण तो कहीं विकास की भेंट चढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून 2026 के अपने फैसले में पैदल यात्रियों के फुटपाथ पर सुरक्षित चलने को उनका मौलिक अधिकार करार दिया। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक स्कूल जा रहे पाँच वर्षीय बच्चे की मौत का मुआवजा बढ़ाते हुए यह निर्देश दिया। एक वक्त था जब लखनऊ की हजरतगंज हो या बनारस की गोदौलिया या अन्य छोटे-छोटे शहरों की सड़कों के किनारे चौड़े और साफ फुटपाथ हुआ करते थे। उन पर इमली, नीम और पीपल के घने पेड़ छाया बिछाए खड़े रहते थे। दोपहर की तपती धूप में एक थका-हारा मजदूर उस छाँव में दो पल बैठ लेता था, स्कूल जाते बच्चे उसी फुटपाथ पर बेफिक्र चहलकदमी करते थे और बूढ़े-बुजुर्ग शाम को टहलने निकलते तो सड़क की गाड़ियों का खौफ उन्हें नहीं सताता था। वह भारत अब केवल पुरानी तस्वीरों में दिखता है। आज की हकीकत यह है कि फुटपाथ दुकानों के गोदाम बन चुके हैं, पेड़ विकास की बलिवेदी पर चढ़ चुके हैं और पैदल चलने वाला आम आदमी अपनी ही सड़क पर बेगाना हो गया है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून को अपने फैसले में ऐसा कुछ नहीं कहा जो हमारे संविधान में नहीं लिखा हो, लेकिन सवाल यह है कि कानून की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई कौन करे। हालत यह है कि पिछले कुछ दशकों में बड़े-बड़े व्यापारियों ने पहले तो फुटपाथ घेरकर अतिक्रमण किया, फिर बाद में उनके अतिक्रमण का दायरा सड़क तक फैल गया। व्यापारी, जिन्हें धन्ना सेठ भी कहा जाता है, सिस्टम को पैसे के बल पर और राजनीतिक दलों को चंदा देकर सबका मुंह बंद कर देते हैं। पूरे प्रदेश में अतिक्रमण का यही हाल है। नगर निगम और एलडीए अक्सर अतिक्रमण के खिलाफ मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, लेकिन वे बाजारों से अतिक्रमण हटाते हुए कभी नहीं दिखाई देते हैं। भू-माफियाओं की तरफ से मुंह मोड़े रहते हैं। सवाल यह है कि जो अधिकार संविधान में पहले से लिखा था, उसे अदालत को घोषित क्यों करना पड़ा? इसका जवाब हमारे शहरों की उन गलियों में मिलता है जहाँ फुटपाथ पर सब्जी वाले का ठेला है, कपड़े वाले का तिरपाल है, मोबाइल ठीक करने वाले की मेज है और उसके आगे एक ऐसा अँधेरा है जिसमें पैदल चलने वाले के लिए कोई जगह नहीं बची। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक रिटायर होने जा रहे पुलिस के एक बड़े अधिकारी का किस्सा सुनाया था, जिसमें इस अधिकारी ने सीएम को बताया था कि लखनऊ के पॉश इलाके में एक माफिया ने 120 एकड़ जमीन कब्जा रखी है। यदि उसे माफिया से मुक्त करा दिया जाए तो वहाँ राज्य फॉरेंसिक संस्थान खोला जा सकता है। जिसे योगी ने खाली करा लिया, लेकिन न जाने आज भी ऐसी कितनी जमीनें होंगी जो माफियाओं ने कब्जा करके कहीं कॉलोनी बना दी होंगी तो कहीं बस्तियां बसा दी होंगी। मगर अफसोस यह है कि अतिक्रमण के खिलाफ सिर्फ वहीं पर मोर्चा खोला जाता है जहाँ कार्रवाई करके सरकार को खुश किया जा सकता है या फिर ऐसी जगह से अतिक्रमण हटाया जाता है जहाँ अतिक्रमणकारी थोड़ा लाचार और कमजोर होता है।

खैर, बात फुटपाथ की की जाए तो एक समय था जब पैदल यात्री बीच सड़क पर गाड़ियों की चकाचौंध और अंधी दौड़ के साथ धूप और बरसात से बचते हुए आराम से फुटपाथ पर सुरक्षित आता-जाता था। मगर यह सब करीब पचास साल पुरानी बातें हुआ करती थीं। बीते पचास सालों में सरकार ने फुटपाथ के नाम पर पैसा तो खूब लुटाया, लेकिन किसी पैदल चलने वाले राहगीर को इससे फायदा नहीं हुआ। 70 और 80 के दशक में जब शहर छोटे थे और आबादी का दबाव कम था, तब फुटपाथ बनाए गए थे और उन पर पेड़ लगाए गए थे। नगरपालिकाएँ उनकी देखभाल करती थीं। धीरे-धीरे शहर फैलने लगे, आबादी बढ़ने लगी और सड़कों पर वाहनों की तादाद बेतहाशा बढ़ गई। इसी के साथ एक ऐसी व्यवस्था पनपी जिसमें पैसे वाले व्यापारी ने पहले फुटपाथ के कोने में अपना सामान रखा, फिर धीरे-धीरे पूरे फुटपाथ को घेर लिया और बाद में उसकी हिम्मत इतनी बढ़ गई कि उसने सड़क का एक हिस्सा भी हड़प लिया। इस पूरी प्रक्रिया में नगर निगम के अधिकारी, पुलिस के सिपाही और नेताओं के दलाल सब शामिल रहे। पैसे का लेन-देन होता रहा और अतिक्रमण बढ़ता रहा। मतलब यह है कि यह अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुआ। इसकी जड़ें पचास साल पीछे तक जाती हैं।

असली त्रासदी यह है कि सरकारी सिस्टम केवल वहाँ काम करता है जहाँ कमजोर और बेसहारा लोग होते हैं। जब नगर निगम अतिक्रमण हटाने निकलता है तो उसका निशाना आमतौर पर वह गरीब रेहड़ी वाला या छोटा दुकानदार होता है जो किसी नेता की शरण में नहीं है, जिसके पास रिश्वत देने के पैसे नहीं हैं। जो बड़े व्यापारी हैं, जिन्हें धन्ना सेठ कहा जाता है, वे राजनीतिक दलों को चंदा देते हैं, अधिकारियों की मुट्ठी गरम करते हैं और शांति से अपना अतिक्रमण बनाए रखते हैं। यही कारण है कि शहर के बड़े बाजारों में, जहाँ सबसे ज्यादा अतिक्रमण है, वहाँ कार्रवाई कभी नहीं होती। शहर से गायब हो गए फुटपाथ की तरह ही पेड़ों की कहानी है, जो और भी दर्दनाक है। जब सड़कें चौड़ी करने का काम शुरू हुआ तो सबसे पहले पेड़ों पर आरी चली। विकास के नाम पर हजारों पुराने और घने पेड़ काट दिए गए। जो पेड़ दशकों से छाया दे रहे थे, जो पक्षियों के घर थे, जो शहर की हवा को साफ रखते थे, वे सब एक झटके में जमीन पर आ गए। सड़क चौड़ी हो गई, गाड़ियाँ ज्यादा दौड़ने लगीं, लेकिन पैदल चलने वाले के लिए न छाया बची, न फुटपाथ बचा। नए पेड़ लगाने की बात जरूर होती है, सरकारी कागजों में लाखों पेड़ लगाने के दावे भी होते हैं, लेकिन जमीन पर उनका नामोनिशान नहीं मिलता। सरकारें आईं और गईं, योजनाएँ बनती रहीं और फुटपाथ के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये बहाए जाते रहे। कभी फुटपाथ को नए पत्थरों से ढका गया, कभी उस पर रंग-बिरंगी टाइलें लगाई गईं, कभी उसके किनारे लोहे की जालियाँ और लैंप पोस्ट खड़े किए गए। लेकिन इन सब कामों के बाद फुटपाथ पर पैदल यात्री के लिए जगह नहीं बनी। जो टाइलें लगाई गईं वे कुछ महीनों में उखड़ गईं, जो रोशनी के खंभे लगाए गए वे अँधेरे में डूब गए और जो फुटपाथ बने वे फिर से दुकानों और ठेलों से भर गए। पूरी कवायद केवल कागजी खानापूरी बनकर रह गई। शहरों की योजना बनाने वाले विभाग, जो जगह पैदल चलने वालों के लिए छोड़ते थे, उन्होंने भी धीरे-धीरे अपनी प्राथमिकता बदल ली। अब नई सड़कें बनती हैं तो उनमें गाड़ियों के लिए कई-कई लेन होती हैं लेकिन फुटपाथ या तो होता ही नहीं या इतना संकरा होता है कि दो लोग एक साथ नहीं चल सकते। यह मानसिकता बताती है कि हमारे नगर नियोजकों की नजर में पैदल चलने वाला नागरिक दोयम दर्जे का है। उधर, अदालतें अक्सर पैदल यात्रियों के पक्ष में फैसला देती रहती हैं, परंतु यह लालफीताशाही की भेंट चढ़ जाते हैं। लब्बोलुआब यह है कि सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला कि फुटपाथ पर चलना पैदल यात्रियों का मौलिक अधिकार है, भले ही नगर निगम से लेकर राज्य सरकार तक हर स्तर पर जवाबदेही तय करता हो, जिस अधिकारी की देखरेख में फुटपाथ पर अतिक्रमण हो, उसे ज़िम्मेदार मानता हो, जो व्यापारी सड़क को अपना गोदाम समझे, उस पर सख्त कार्रवाई हो, की बात करता हो, लेकिन हकीकत यही है कि अब काफी देर हो चुकी है। सबसे बड़ी बाधा तो यही है कि जो सरकार सड़क से अतिक्रमण हटाने और फुटपाथ खाली कराने की बात सोचती है, उसको विरोध स्वरूप लामबंद वोटर लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने से गुरेज नहीं करते हैं। यही देश की नियति है, जिसे आसानी से नहीं बदला जा सकता है।

उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस की लड़ाई के बीच यूकेडी

–अजय कुमार

उत्तराखंड की राजनीति में चुनावी पारा चढ़ चुका है। पहाड़ी राज्य में विधानसभा चुनाव में अब आठ महीने से भी कम वक्त बचा है और हर दल अपनी-अपनी सियासी बिसात बिछाने में जुटा है। सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी जहां इतिहास रचने के मंसूबे के साथ मैदान में डटी है, वहीं कांग्रेस अपने दस साल पुराने वनवास को खत्म करने के लिए जोर लगा रही है। इसी बीच क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति करने वाला उत्तराखंड क्रांति दल भी अपनी खोई जमीन वापस पाने की जुगत में है। सत्तर सीटों वाले इस राज्य में मुकाबला अब त्रिकोणीय होता दिख रहा है, हालांकि असली लड़ाई अब भी बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही केंद्रित नजर आ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करें तो 2022 में बीजेपी ने उत्तराखंड बनने के बाद पहली बार सत्ता परिवर्तन की परंपरा को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। पार्टी को 44.33 फीसदी वोट मिले और उसने 47 सीटों पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस के खाते में 37.91 फीसदी वोट आए, लेकिन सीटों के मामले में वह सिर्फ 19 पर सिमट गई। बसपा और निर्दलीयों ने दो-दो सीटें जीतीं। आम आदमी पार्टी ने कर्नल अजय कोठियाल को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाकर पूरे दमखम से चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे सिर्फ 3.3 फीसदी वोट मिले और खाता भी नहीं खुल सका। दिलचस्प यह भी रहा कि उस चुनाव में दो बड़े कद्दावर नेता अपनी ही सीट से हार गए थे। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत लालकुआं से हार गए थे, जबकि तब के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी परंपरागत खटीमा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी भुवन कापड़ी से चुनाव हार बैठे थे। हालांकि भाजपा आलाकमान ने धामी पर भरोसा बनाए रखा और बाद में चंपावत सीट से उपचुनाव जिताकर उन्हें फिर मुख्यमंत्री पद पर बैठाया।

उत्तराखंड की राजनीति को समझने के लिए कुमाऊं और गढ़वाल मंडल का गणित जानना जरूरी है। गढ़वाल मंडल में 41 और कुमाऊं मंडल में 29 सीटें आती हैं। पिछली बार गढ़वाल में बीजेपी का दबदबा एकतरफा रहा था, जहां पार्टी ने 29 सीटें जीती थीं और कांग्रेस सिर्फ 8 पर सिमट गई थी। लेकिन कुमाऊं मंडल में तस्वीर अलग थी, यहां बीजेपी को 18 और कांग्रेस को 11 सीटें मिली थीं, यानी कांग्रेस ने यहां कड़ी टक्कर दी थी। यही वजह है कि इस बार दोनों ही पार्टियां इन इलाकों में अपनी पूरी ताकत झोंकने में जुटी हैं। राहुल गांधी की हाल में कुमाऊं और गढ़वाल दोनों मंडलों में रैलियां प्रस्तावित थीं। अल्मोड़ा में भारी भीड़ जुटी, पर खराब मौसम के चलते वह खुद नहीं पहुंच सके और फोन तथा वर्चुअल माध्यम से कार्यकताओं को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल भी लगातार राज्यभर का दौरा कर लोगों से सीधा संपर्क साध रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के इतिहास में पहले ऐसे भाजपा मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं जो अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। एंटी इंकंबेंसी से निपटने के लिए बीजेपी ने माइक्रो लेवल पर रणनीति बनानी शुरू कर दी है। 13 से 16 जून के बीच पार्टी ने एक बड़ा अभियान चलाया, जिसमें लोकसभा सांसद, राज्यसभा सदस्य और कोर ग्रुप के नेताओं को उन 23 सीटों पर भेजा गया, जहां पार्टी पिछली बार हार गई थी। ये नेता वहां रात भी रुके, ताकि स्थानीय संगठन की हकीकत और हार की वजहों को करीब से समझा जा सके। चुनावी मुद्दों की बात करें तो बीजेपी इस बार बुनियादी ढांचे के विकास, यूनिफॉर्म सिविल कोड और धार्मिक पर्यटन, खासकर चारधाम यात्रा और मानसखंड मंदिर माला मिशन को आगे रखकर वोट मांगने की तैयारी में है। 2027 में हरिद्वार में लगने वाला कुंभ मेला भी पार्टी के लिए अपनी प्रशासनिक छवि चमकाने का बड़ा मौका साबित हो सकता है।

दूसरी तरफ कांग्रेस के पास मुद्दों की कमी नहीं है, लेकिन अंदरूनी गुटबाजी उसकी सबसे बड़ी मुश्किल बनी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल लगातार जमीन पर मेहनत कर रहे हैं, लेकिन सात महीने बीत जाने के बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाया है। हाल ही में पार्टी की उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा दो दिन के दौरे पर आई थीं, लेकिन एक ही दिन में कामकाज निपटाकर दिल्ली लौट गईं, जिससे स्थानीय नेताओं में संगठन को लेकर बेचैनी और बढ़ गई। हरीश रावत के कुछ समय पहले 'मौन अवकाश' पर जाने से भी सियासी गलियारों में अटकलें तेज हो गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने साफ कर दिया कि वह कांग्रेस को जिताने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतरेंगे। गणेश गोदियाल का कहना है कि कांग्रेस अपने शासन काल की उपलब्धियों और मौजूदा सरकार की नाकामियों को साथ रखकर जनता के सामने जाएगी। पार्टी इस बार बेरोजगारी, पलायन, पेपर लीक मामलों, अंकिता भंडारी हत्याकांड, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और जंगली जानवरों से हो रहे जान माल के नुकसान जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाने की तैयारी में है। इस बीच राज्य आंदोलन से जुड़ा उत्तराखंड क्रांति दल भी खुद को मजबूत करने में लगा है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष आशुतोष नेगी और युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीष नेगी लगातार जिलों में जनसभाएं कर रहे हैं। यूकेडी का सबसे बड़ा मुद्दा पहाड़ में स्थायी राजधानी बनाने की मांग है। पार्टी का मानना है कि जब तक मुख्यमंत्री और विधायक पहाड़ में नहीं बैठेंगे, तब तक पहाड़ का असली विकास संभव नहीं है।

इसके अलावा यूकेडी 1950 से राज्य में रह रहे लोगों को मूल निवासी का दर्जा देने और सख्त भू-कानून बनाने की मांग पर भी मुखर है। पार्टी का कहना है कि अगर उनकी सरकार बनी और कोई पेपर लीक हुआ तो इसकी सीधी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री की होगी और उन्हें इस्तीफा देना होगा। आशुतोष नेगी के मुताबिक पार्टी अभी 30 से 35 सीटों पर मजबूत स्थिति में काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो यूकेडी जितनी मजबूत होगी, उसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा, क्योंकि भाजपा का कोर वोटर अब भी काफी हद तक उसके साथ बना हुआ है। हालांकि सरकार के खिलाफ नाराजगी जरूर है, लेकिन विपक्ष के पास अभी पुष्कर सिंह धामी की टक्कर का कोई बड़ा चेहरा नहीं दिख रहा। कुमाऊं मंडल में मुकाबला कांटे का रहने की उम्मीद है और अगर कांग्रेस अपनी अंदरूनी खींचतान खत्म कर सही टिकट बंटवारा कर पाई, तो उसे फायदा मिल सकता है। फिलहाल तस्वीर यही बताती है कि भाजपा विकास और संगठन की ताकत पर सत्ता बचाने में जुटी है, कांग्रेस सरकार की नाकामियों को मुद्दा बनाकर वापसी का रास्ता तलाश रही है और यूकेडी पुराने सवालों को फिर सुर्खियों में लाने की कोशिश कर रही है। आने वाले महीनों में उत्तराखंड की सियासत और भी दिलचस्प मोड़ ले सकती है, और यही बात इस चुनाव को पहले से कहीं ज्यादा दिलचस्प बना रही है।

विवेक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट स्थित विवेक विद्यालय में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को योग के महत्व, भारतीय संस्कृति में उसके स्थान तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के मुख्याध्यापक विवेक थोरात ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योगशास्त्र भारत की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है तथा विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने की प्रेरणा दी। इसके बाद शिक्षक फडतरे, पांढरे, कोरगांवकर तथा अन्य शिक्षकों ने विभिन्न योगासन और सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ योगासन कर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विद्यालय की संचालिका मनीषा थोरात, मुख्याध्यापक विवेक थोरात सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने का संदेश दिया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

ग्राम पंचायतों को ज्यादा अधिकार देने की मांग, राज्यसभा सांसद नीरज डांगी को ज्ञापन

विशेष संवाददाता

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राजस्थान में ग्रामीण विकास को नई गति देने और ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाने की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य नीरज डांगी को आदर्श मानव एसोसिएशन ने एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर संस्था ने केंद्र सरकार के समक्ष इस विषय को उठाने का आग्रह किया है कि पंचायतों को अधिक अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता देकर जवाबदेही प्रदान करने की आवश्यकता है। संस्था के अध्यक्ष घनश्याम पुरोहित आदर्श और महामंत्री जगदीश पुरोहित सहित राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार और शताब्दी गौरव फाउंडेशन के चेयरमैन सिद्धराज लोढ़ा ने सांसद डांगी से इस विषय पर आवश्यक

नीति एवं विधायी पहल कराने का अनुरोध किया है। सांसद डांगी ने ग्रामीणों को ज्यादा अधिकार वित्तीय स्वाध्यता एवं उत्तरदायित्व प्रदान करने के मामले पर ग्रामीण विकास विभाग से विशेष अनुरोध का विश्वास दिलाया है।

राज्यसभा सांसद नीरज डांगी से निवेदन किया गया है कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण शासन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं और स्थानीय समस्याओं व आवश्यकताओं को सबसे बेहतर ढंग से समझती हैं। यदि उन्हें पर्याप्त अधिकार और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो विकास कार्य अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बन सकते हैं। ज्ञापन में पंचायतों को सरकारी भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने, वर्षा जल संचयन एवं वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने, सार्वजनिक परिसंपत्तियों के रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपने तथा सरकारी परिसरों में फलदार पौधों का रोपण कराने जैसे अधिकार दिए जाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों, कुटीर उद्योगों तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी भी पंचायतों को सौंपने की मांग की गई है। संस्था ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (परफॉर्मेंस-बेस्ड इंसेंटिव) देने का भी सुझाव दिया है। ज्ञापन में कहा गया है कि इन कदमों से विकेंद्रीकृत शासन को मजबूती मिलेगी, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

भिवंडी में नाला सफाई के ठेकेदार की दबंगई, स्वास्थ्य मुकादम से गाली-गलौज का ऑडियो वायरल, मामला दर्ज

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी । भिवंडी मनपा क्षेत्र में नाला सफाई कार्य को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। बतादें कि वॉर्ड क्रमांक 9-बी में नाला सफाई के लिए कितने मजदूर लगाए गए हैं, इसकी जानकारी मांगने पर पालिका स्वास्थ्य विभाग के मुकादम के साथ ठेकेदार द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शहर में चर्चा का विषय बन गई है। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ अदखलपात्र (एनसी) मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवंडी मनपा के नाला सफाई कार्य के लिए नियुक्त सब-ठेकेदार जयेश काले से पालिका के मुकादम मुकेश जाधव ने मोबाइल फोन पर संपर्क कर सफाई कार्य में लगाए गए मजदूरों की संख्या के बारे में पूछताछ की थी। आरोप है कि इस पर जयेश काले ने जाधव के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। सोशल मीडिया पर वायरल हुई कथित ऑडियो क्लिप में ठेकेदार द्वारा नगरसेवकों और पालिका प्रशासन के संबंध में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने की बात कही जा रही है। घटना के बाद मुकादम मुकेश जाधव की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में जयेश काले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद शहर में ठेकेदारों की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वहीं कामगार संघटना के संतोष चव्हाण ने आरोप लगाया है कि सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला भी बनता है और उन्होंने इस प्रकरण में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एट्रोसिटी) के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे जल्द ही शांतिनगर पुलिस से संपर्क करेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन को सेवा और समाज कल्याण के संदेश के साथ मनाया गया

आदेश मिश्र

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ओर से महिलाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा के मार्गदर्शन में और दक्षिण-मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष प्रज्योति हंडोरे के प्रयास से विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जन्मदिन युवा महिलाओं के साथ समाजसेवा के संकल्प के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पहल और 'प्रियदर्शिनी उड़ान' अभियान के तहत महिलाओं और युवतियों को निःशुल्क सैनिटरी पैड्स वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुंबई महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं नगरसेविका ट्यूलिप मिरांडा, उपाध्यक्ष पूर्वी पटेल, उत्तर मुंबई जिला अध्यक्ष प्रगति राणे, उत्तर-पश्चिम मुंबई जिला अध्यक्ष सीमा सिंह, नगरसेविका वैशाली शेंडकर, सायन कोलीवाड़ा तालुका अध्यक्ष सुरजीत कौर सहित कई स्थानीय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। राहुल गांधी का जन्मदिन सेवा और जनकल्याण के इस अभियान के माध्यम से मनाते हुए कांग्रेस परिवार ने महिला सशक्तिकरण और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

समाजसेवी और उद्योगपति शरद चंद विश्वकर्मा का आकस्मिक निधन

मुंबई। दहिसर के प्रख्यात समाजसेवी और उद्योगपति शरद चंद विश्वकर्मा का आज 56 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन हो गया। अत्यंत मिलनसार सहयोगी और धार्मिक प्रवृत्ति के शरद चंद विश्वकर्मा के निधन की खबर मिलते ही बोरीवली और दहिसर इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। दौलत नगर श्मशान भूमि पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां उनके परिवार के रवि विश्वकर्मा, हरिश्याम विश्वकर्मा, भारत विश्वकर्मा,पप्पू विश्वकर्मा, सूरज विश्वकर्मा, रणधीर विश्वकर्मा समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। उनके निधन पर समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, पत्रकार चंद्रमणि उपाध्याय, पत्रकार रोहित जायसवाल, पूर्व प्रधानाध्यापक सुरेंद्र पांडे, एडवोकेट भारत पांडे, सुभाष यादव, राजेश तिवारी ,मदन गुप्ता, रतिलाल सेठ, प्रभात मिश्रा समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है। शरद चंद्र विश्वकर्मा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद के चंदवक स्थित भैंसा गांव के रहने वाले थे।

ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता अभियान, "NO HORNS PLEASE पहल का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। ध्वनि प्रदूषण के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार दोपहर 1:30 बजे "NO HORNS PLEASE – कृपया हॉर्न न बजाएं जनजागृति अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को अनावश्यक हॉर्न के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस जनहितकारी उपक्रम को सफल बनाने में पीपी एडवोकेट एवं रोटेरियन जयेश आव्हाड का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वहीं रिक्शा यूनियन के नेता मनोज घरत और सुनील दांडेकर के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस अभियान के प्रथम चरण में 350 ऑटो रिक्शाओं पर "NO HORNS PLEASE" एवं कृपया हॉर्न न बजाएं संदेश वाले स्टिकर लगाने की योजना बनाई गई है। आयोजकों का मानना है कि यदि नागरिकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलता है तो इस अभियान को और अधिक व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। इस सामाजिक पहल के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले रोटेरियन नारायण गिरासे (गिरासे इंश्योरेंस एंड इन्वेस्टमेंट) का भी आयोजकों ने आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण आज शहरी जीवन की एक गंभीर समस्या बन चुका है। ऐसे में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन संजय महाजन, सचिव रोटेरियन मनीष पिंपले तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन कल्पेश जयवंत पाटील ने अभियान को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों एवं नागरिकों का धन्यवाद व्यक्त किया।

धर्मराव आत्राम के दावे को बताया निराधार, सभी 8 सांसद शरद पवार के साथ, उनका निर्णय ही अंतिम होगा: सांसद सुरेश म्हात्रे

भिवंडी । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के भिवंडी सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने स्पष्ट किया है कि पार्टी के सभी सांसद शरद पवार के नेतृत्व में एकजुट हैं और भविष्य में भी उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि कौन किस दल में जाता है, इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन वे और उनके साथी सांसद शरद पवार के प्रति पूरी तरह निष्ठावान हैं। शनिवार दोपहर सांसद सुरेश म्हात्रे शहर के खंडूपाडा स्थित एक प्रसिद्ध शोरमा सेंटर से खाद्य विषाक्तता का शिकार हुए मरीजों का हालचाल जानने स्वर्गीय इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता धर्मराव

बाबा आत्राम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि शरद पवार गुट के पांच सांसद 12 दिसंबर 2026 तक अजित पवार गुट में शामिल हो जाएंगे। सांसद म्हात्रे ने आत्राम के दावे को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि पार्टी में किसी प्रकार की टूट या दल-बदल का कोई प्रस्ताव या चर्चा नहीं है। उन्होंने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि ऐसा कोई विषय हमारे सामने नहीं है। सभी आठ सांसद शरद पवार साहब के साथ हैं और आगे भी उनके साथ ही रहेंगे। शरद पवार जो निर्णय लेंगे, वही हमारे लिए अंतिम निर्णय होगा। उन्होंने धर्मराव आत्राम पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राजनीति में पहचान और अवसर शरद पवार ने ही दिए हैं। साथ ही उन्होंने दल-बदल करने वाले नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस पार्टी के चुनाव चिह्न पर जीतकर आते हैं, कम से कम पांच वर्ष तक उसके प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उसके बाद यदि कहीं और सम्मान मिलता है तो वहां जाकर जनता के बीच दोबारा जनादेश मांगना चाहिए। सांसद के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में शरद पवार गुट की एकजुटता को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

अग्रवाल समाज कल्याण द्वारा आदिवासी विद्यार्थियों को वितरित की शैक्षणिक एवं आवश्यक सामग्री

भिवंडी । सेवा और समाज कल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल समाज कल्याण द्वारा भिवंडी के खडकी स्थित जिला परिषद विद्यालय में अध्ययनरत आदिवासी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं दैनिक उपयोग की सामग्री का वितरण किया गया।संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने बताया कि विद्यालय के 33 विद्यार्थियों तथा 13 बालवाड़ी के बच्चों सहित कुल 46 बच्चों को विभिन्न उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय को 43 इंच का एलईडी टीवी, स्टील वाटर फिल्टर, पाठ्य सामग्री, नोटबुक, ड्रॉइंग बुक, जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए कपड़े, वर्षा ऋतु के लिए सैंडल, छतरियां तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं भेंट की गईं। साथ ही सभी विद्यार्थियों को अल्पाहार भी वितरित किया गया।कार्यक्रम में अग्रवाल समाज कल्याण के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रशासन ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज द्वारा प्रदान किया गया यह सहयोग विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। संस्था के सचिव नितिन अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज कल्याण शिक्षा, सेवा और समाज कल्याण के कार्यों के प्रति सदैव समर्पित रहा है तथा भविष्य में भी ऐसे सेवा प्रकल्प निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन कार्याध्यक्ष अनिल बंसल ने किया, जबकि उपस्थित लोगों का आभार समाज के प्रवक्ता राजीव गुप्ता ने व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले तुलसीराम बंसल, आत्माराम डीडवानिया, जितेंद्र अग्रवाल, अनुप बंसल, महेश शाह तथा रमाकांत अग्रवाल के योगदान की सराहना करते हुए उनका विशेष आभार व्यक्त किया।

शिवशक्ति सामाजिक संगठना द्वारा संसद रत्न सांसद डॉ. हेमंत सावरा का हुआ भव्य सत्कार

-अजीत सिंह

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले बोईसर शहर (प.) अंतर्गत स्थित टीमा सभागार में शुक्रवार 19 जून को दोपहर शिवशक्ति सामाजिक संगठना,बोईसर के तत्वावधान में श्रमिक सेना कामगार संगठना एवं पालघर जिला श्रमिक ऑटो-रिक्शा-टैक्सी चालक मालक संगठना द्वारा पालघर के सांसद डॉ हेमंत विष्णु सावरा को संसदीय समिति द्वारा 'संसद रत्न' चुने जाने पर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजती हॉल में भव्य सत्कार करते मुख्य अतिथि 'श्रमिक सेना कामगार संगठना' के अध्यक्ष नवी मुंबई के पूर्व महापौर और संसद रत्न पुरस्कार प्राप्त सांसद डॉ संजीव नाईक के शुभ हाथों अंगवस्त व पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच संचालन कर रहे प्रो. संजय घरत द्वारा अतिथियों का परिचय और विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में तेजी से प्रगति कर रहा पालघर को लेकर सांसद के प्रयासों का परिचय देते किया गया। कार्यक्रम के आयोजक शिवशक्ति सामाजिक संगठना, बोईसर के प्रमुख और श्रमिक सेना कामगार संगठना के

संचालक संजय ज.पाटील ने संगठना के अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ संजीव नाईक के प्रयासों से कामगारों के न्याय,हक के लिए कारखानों के साथ समन्वय और श्रम से परिवार का उदर निर्वाह कर रहे ऑटो - रिक्शा-टैक्सी चालक मालक के जीवन यापन को सुदृढ़ बनाने का जिक्र किया। उन्होंने पालघर के सांसद डॉ सावरा द्वारा लोकसभा में जिले के विकास और प्रगति के लिए प्रयत्नशील बने रहने पर संगठना की ओर से तालियों की जोरदार गड़गड़ाहट के बीच आभार जताया। नवी मुंबई के पूर्व सांसद डॉ संजीव नाईक ने कहा कि पालघर के सांसद 'संसद रत्न' डॉ सावरा के सामाजिक दायित्व के निर्वहन प्रयास बेहद सराहनीय है। पालघर का नाम भारत ही नहीं विश्व के मानचित्र पर देखा जा रहा है। सबसे बड़ा वाढवन बंदरगाह के अलावा बुलेट ट्रेन, एयरपोर्ट,नया राजमार्ग, डीएफसीसी,विरार कोरिडोर,अमृत भारत स्टेशन जैसे चुनौती पूर्ण कार्य आज तेजी से हो रहे है। पूर्व संसद रत्न डॉ संजीव नाईक के हाथों मिले सत्कार पर अत्यंत गौरव का अनुभूति करते संसद सदस्य डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने कहा कि इस सम्मान ने जहां उर्जा प्रदान की है वहीं जवाबदेही भी बढ़ा दी है। इस अवसर पर टीमा सदस्य सुरेश वैद्य, सरपंच संजय पाटील, आनंद धोडी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मिलिंद वड़े, उमेश राऊत, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष तुषार संखे,सचिव सत्यप्रकाश सिंह, मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र 'त्यागी', विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुख और अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल सूत्र संचालन प्रा.संजय घरत ने किया।

लहुळसे गांव की सड़क खस्ता तत्काल मरम्मत की मांग, जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

मुंबई। रायगढ़ जिले के पोलादपुर तहसील स्थित लहुळसे गांव को जाने वाली मुख्य सड़क की हालत अत्यंत जर्जर हो चुकी है। कई वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण ग्रामीणों, विद्यार्थियों और यात्रियों को भारी कठिनाइयों कासामना करना पड़ रहा है। इसे लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रायगढ़ के जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के स्कूली विद्यार्थियों को प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण राज्य परिवहन (एसटी) बस सेवा भी प्रभावित हो रही है, जिससे पूरे गांव के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, बीमार लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि समय पर इलाज नहीं मिलने से गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लहुळसे गांव का यह मार्ग पहाड़ी क्षेत्र से होकर गुजरता है। सड़क के कई हिस्सों में सुरक्षा रेलिंग (गार्ड रेल) नहीं होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो वाहन गहरी खाई में गिरने जैसी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। इस पृष्ठभूमि में जिला प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने, आवश्यक स्थानों पर सुरक्षा रेलिंग लगाने तथा एसटी बस सेवा को नियमित रूप से जारी रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है। मुंबई के सामाजिक कार्यकर्ता राम रिंगे, भरत रिंगे और दत्ताराम रिंगे ने रायगढ़ के जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लहुळसे गांव के नागरिकों को शीघ्र राहत प्रदान करने की अपील की है।

पालघर में जिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर का सीईओ ने किया निरीक्षण

जल्द शुरू होंगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने गुरुवार को पालघर में नवनिर्मित जिला अस्पताल तथा मनोर स्थित ट्रॉमा सेंटर का दौरा कर निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शेष कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रानडे ने बिजली, पेयजल आपूर्ति, आंतरिक सड़कों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल भवन से संबंधित शेष निर्माण कार्य जून माह के अंत तक पूर्ण कर लिए जायें। साथ ही बिजली, पानी, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, आवश्यक मानव संसाधन की नियुक्ति तथा अन्य पूरक व्यवस्थाओं को जुलाई के अंत तक पूरा करने की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, विभिन्न विभागों के अधिकारी, अभियंता एवं ठेकेदार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परियोजना की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी को दी। ज्ञात हो कि जिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के शुरू होने के बाद पालघर जिले के नागरिकों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं एवं गंभीर मरीजों को त्वरित उपचार की सुविधा जिले में ही मिलने से स्वास्थ्य व्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलेगी। प्रशासन ने परियोजना से जुड़े सभी कार्य समय पर पूर्ण कर अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय पार्टी से जुड़े आरोपियों पर जमीन हड़पने का मामला, शहर में मची सनसनी

-चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। खडकपाडा पुलिस थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन हड़पने के कथित प्रयास का मामला सामने आने के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। मामले में कुछ आरोपियों के एक राजकीय पार्टी से जुड़े होने की चर्चा के कारण यह प्रकरण और अधिक चचाओं में आ गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने सहित विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रमोद विश्वनाथ गायकवाड़ (37) ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने आपसी साजिश के तहत जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों में हेराफेरी कर उन्हें आर्थिक और कानूनी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। यह कथित घटनाक्रम 8 मार्च 2022 से 18 जून 2026 के बीच उंबर्डे (कल्याण) क्षेत्र में घटित हुआ।

खडकपाडा पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध क्रमांक 139/2026 के अनुसार, मामले में निर्मला वायले, अलका वायले, सुनील वायले, किसान वायले, शिरीष दलवी, सुनील हरिचंदानी और जितू लालचंदानी समेत अन्य व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने एक मृत व्यक्ति के नाम पर कथित रूप से फर्जी घोषणापत्र तैयार कराया। इतना ही नहीं, उक्त दस्तावेज को नोटरी के माध्यम से प्रमाणित भी कराया गया। आरोप है कि इसी आधार पर जमीन के स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड में बदलाव करने और सरकारी अभिलेखों में गलत जानकारी दर्ज कराने का प्रयास किया गया। सूत्रों के अनुसार, जमीन के दस्तावेजों में बदलाव कर संपत्ति पर अवैध कब्जा करने की योजना बनाई गई थी। मामले में दस्तावेजी साक्ष्यों की जांच की जा रही है और पुलिस राजस्व विभाग के रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

मामले में कुछ आरोपियों के राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े होने की चर्चा शहर में तेजी से फैल रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी राजनीतिक संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच अधिकारी इस पूरे प्रकरण के हर पहलू की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल थे। खडकपाडा पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों की तकनीकी जांच, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बहुचर्चित मामले ने कल्याण और आसपास के क्षेत्रों में जमीन संबंधी लेन-देन की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों की नजर अब पुलिस जांच और आगामी कानूनी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

खेत में मिला अज्ञात युवक का शव, हाथ पर लिखा मिला 'प्रीति महाकाल'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के पूरेदयाल सोरहा गांव में खेत में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

बताया जाता है कि भैंस चरा रहे एक युवक की नजर खेत में पड़े शव पर पड़ी। उसने तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सुरेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस को मृतक के हाथ पर 'प्रीति महाकाल' लिखा मिला है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसके पीछे क्या कारण हैं, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

फिलहाल पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है और युवक की पहचान के साथ-साथ मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है। घटना से क्षेत्र में दहशत और चचाओं का माहौल बना हुआ है।

भारत को कृषि महाशक्ति बनाने के लिए 25 सूत्रीय राष्ट्रीय कृषि पुनर्जागरण योजना लागू हो: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने और भारत को कृषि महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय कृषि पुनर्जागरण की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की नींव किसान हैं, लेकिन आज भी किसान कर्ज, बढ़ती लागत, प्राकृतिक आपदाओं और बाजार की समस्याओं से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि हरित क्रांति और आधुनिक कृषि तकनीकों के कारण भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है, लेकिन किसानों की आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष 25 सूत्रीय कृषि विकास प्रस्ताव रखा है, जिसमें कानूनी गारंटी वाला टरढ, खेती को उद्योग का दर्जा, किसानों की कर्जमाफी, कृषि निर्यात केंद्र,

आधुनिक भंडारण व्यवस्था, सस्ती बिजली, कृषि बीमा में सुधार, महिला किसानों को सहायता तथा कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना जैसी मांगें शामिल हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यदि अगले दस वर्षों में कृषि क्षेत्र में बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक, निर्यात प्रोत्साहन और किसान कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो भारत विश्व की सबसे बड़ी कृषि शक्ति बन सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री, नीति आयोग और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से राष्ट्रीय कृषि पुनर्जागरण सम्मेलन आयोजित करने की मांग भी की।

उन्होंने कहा कि ₹किसानों की खुशहाली ही भारत की असली जीडीपी है। खेत मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा और किसान समृद्ध होगा तो भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।₹ साथ ही उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'विकसित किसान, विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए किसान हितों की लड़ाई जारी रहेगी।

स्वनिधि महोत्सव में लाभार्थियों को किया गया सम्मानित, आत्मनिर्भरता पर दिया गया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर के टाउन हॉल मैदान में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह ₹प्रिंसू₹ ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि बिना गारंटी ऋण की सुविधा देकर सरकार छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। साथ ही बताया कि स्ट्रीट वेंडरों को 30 हजार रुपये तक का क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। स्वनिधि योजना ने छोटे कारोबारियों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती प्रदान की है।

विशिष्ट अतिथि पीयूष गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। वहीं डॉ. राम सूरत मौर्य ने कहा कि सरकारी योजनाएं केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का माध्यम भी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पालिका लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना से छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिला है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लोगों को सम्मानित किया गया तथा उनके अनुभव साझा कराए गए। लाभार्थियों ने बताया कि सरकारी योजनाओं की मदद से उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिला है।

इस अवसर पर कर अधीक्षक अंजू राय, शहर मिशन प्रबंधक जितेंद्र सिंह, सभासद राहुल साहू, संदीप चौधरी, राजस्व निर्धारण अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, कर विभाग के राजस्व निरीक्षक, लिपिक, कर संग्राहक, राजस्व लिपिक रिजवान हैदर तथा यूनियन बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों में लापरवाही पर डीएम का सख्त रुख, अधिकारियों को चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित आईजीआरएस समीक्षा बैठक में शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले विभागों पर कड़ा रुख अपनाया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जन शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय तथा जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों को आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान किया जाए।

जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शिकायतकताओं से नकारात्मक फीडबैक प्राप्त न हो।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने आईजीआरएस के अंतर्गत एल-1, एल-2, एल-3 एवं एल-4 स्तर की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा और प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता वाली व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आमजन अपनी समस्याएं सीधे शासन तक पहुंचाते हैं। इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ठ, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से शिकायत निवारण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के लिए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

विकास प्रदर्शनी में मेडिकल कॉलेज जौनपुर के चिकित्सकों का स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेडिकल कालेज जौनपुर में दिनांक 17 जून से 20 जून 2026 तक आयोजित विकास प्रदर्शनी में उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा आकर्षक स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा सेवाओं पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन जनसामान्य को विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया।

मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं, आपातकालीन उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा जनस्वास्थ्य संबंधी जागरूकता सामग्री का प्रदर्शन किया गया। आगंतुकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रदर्शनी में विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा विभिन्न रोगों की रोकथाम, स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

प्रधानाचार्य प्रो० (डा0) आर0बी0 कमल ने बताया कि मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना ही नहीं, बल्कि जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। विकास प्रदर्शनी जैसे आयोजनों के माध्यम से संस्थान की सेवाओं एवं उपलब्धियों को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने का अवसर प्राप्त होता है।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह एवं चिकित्सक डा0 मुदित चौहान तथा डा0 नवीन सिंह ने जनसामान्य से स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। चिकित्सकों ने जनसामान्य एवं मरीजों के हित में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता, टीकाकरण तथा विभिन्न रोगों की समय पर जांच एवं उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। चिकित्सको ने लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, तंबाकू एवं अन्य नशे के सेवन से दूर रहने तथा रोगों की रोकथाम हेतु जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं जागरूकता ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक डा0 विनोद कुमार, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 पूजा पाठक, डा0 अनिल कुमार एवं डा0 आदर्श कुमार तथा कर्मचारी, मरीज एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में वाई-ब्रेक योग का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उमा नाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर. बी. कमल द्वारा एक बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ वाई-ब्रेक (Y-Break) योग सत्र का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो0 (डा 0) आर. बी. कमल ने बताया कि वाई-ब्रेक (Y-Break) आयुष मंत्रालय एवं मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (MDNIY) द्वारा विकसित एक विशेष 5 मिनट का योग प्रोटोकॉल है, जिसे विशेष रूप से कार्यालयों एवं कार्यस्थलों के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य दैनिक कार्यों के दौरान उत्पन्न होने वाले तनाव को कम करना, मानसिक एकाग्रता बढ़ाना तथा शरीर एवं मन को पुनः ऊजार्वान बनाना है। उन्होंने कहा कि अल्प समय में किए जाने वाले ये सरल योगाभ्यास व्यक्ति की कार्यक्षमता एवं उत्पादकता में वृद्धि करते हैं तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं।

प्रधानाचार्य ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जो सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का संदेश देती है। उन्होंने सभी चिकित्सकों, संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों से योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने समस्त चिकित्सा महाविद्यालय परिवार तथा जनपदवासियों से अपील की कि वे

21 जून 2026 प्रातः 6:00 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य समारोह में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने सभी से अपने परिवारजनों, मित्रों एवं परिचितों को भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करने का अनुरोध किया, जिससे योग के माध्यम से स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण के संकल्प को साकार किया जा सके।

प्रधानाचार्य प्रो. (डा0) आर. बी. कमल ने कहा कि वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली एवं बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों के परिप्रेक्ष्य में योग एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में उभरकर सामने आया है। नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल एवं सकारात्मक सोच का भी विकास होता है।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में उमा नाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा विगत कई दिनों से योग प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' (Yoga for Healthy Aging) की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिलाधिकारी के आश्वासन से केराकत को मिली बड़ी सौगात, सप्ताह में दो दिन चलेगा चकबंदी न्यायालय

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील दिवस में उठाई गई जनसमस्याओं पर जिलाधिकारी द्वारा त्वरित एवं सकारात्मक कार्रवाई किए जाने से केराकत क्षेत्र को बड़ी राहत मिली है। अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सोनकर गांगुली एडवोकेट द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर जिलाधिकारी ने चकबंदी न्यायालय के नियमित संचालन तथा रोडवेज डिपो स्थापना के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

प्रार्थना पत्र में तहसील मुख्यालय केराकत पर चकबंदी न्यायालय के नियमित संचालन की मांग की गई थी। इस पर जिलाधिकारी ने सप्ताह में दो दिन, मंगलवार एवं गुरुवार को चकबंदी न्यायालय संचालित किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस निर्णय से क्षेत्र के किसानों, भूमिधरों, अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को न्यायिक कार्यों के लिए होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

इसके साथ ही केराकत में रोडवेज डिपो की स्थापना का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

जिलाधिकारी के इन निदेशों का क्षेत्र के नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि चकबंदी न्यायालय के नियमित संचालन से लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी, जबकि रोडवेज डिपो की स्थापना से क्षेत्र के हजारों यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिल सकेंगी।

क्षेत्रवासियों ने इसे केराकत के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम बताया है।

बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुभाग-2 के द्वारा पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए निःशुल्क संचालित 'ओ' लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद में संचालित प्रशिक्षणदायी संस्थाओं का चयन निदेशालय, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ के स्तर से करते हुये वेबसाईट obccomputertraining.upsdc.gov.in पर प्रदर्शित कर दिया गया है।

योजनान्तर्गत दिनांक 16, जून, 2026 से 10, जुलाई, 2026 तक अन्य पिछड़े वर्गों के इच्छुक युवक/युवतियों द्वारा वेबसाईट obccomputertraining.upsdc.gov.in पर 'ओ' लेवल/सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आनलाइन आवेदन भरे जायेंगे। योजनान्तर्गत 'ओ' लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण शुल्क क्रमशः रु0 15,000 एवं रु0 3,500 तक विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को 'ओ' लेवल/''सी0सी0सी0'' कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित अर्हता आवश्यक है- कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए (10+2) इण्टरमीडिएट न्यूनतम शैक्षिक अर्हता अनिवार्य है। प्रशिक्षार्थी की अधिकतम उम्र 35 वर्ष तक होनी चाहिए, और उ0प्र0 का निवासी हो। प्रशिक्षार्थी बेरोजगार हो तथा किसी शिक्षण संस्था में छात्रवृत्ति न लेता हो। 'ओ' लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधि 01 वर्ष होगी। ''सी0सी0सी0'' कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधि 03 माह होगी। प्रशिक्षार्थी के माता-पिता/अभिभावक की सकल वार्षिक आय (ग्रामीण/शहरी क्षेत्र) रु0 1,00,000 (रुपये एक लाख मात्र) से अधिक नहीं होनी चाहिए।

शासनादेश के अनुसार उपर्युक्त अर्हता रखने वाले युवक/युवतियाँ वेबसाईट obccomputer-training.upsdc.gov.in पर दिनांक 16, जून, 2026 से 10, जुलाई, 2026 तक आनलाइन आवेदन अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों को अपलोड करते हुये समस्त वांछित संलग्नकों सहित आवेदन पत्र दो प्रतियों में विकास भवन स्थित पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय के कक्ष संख्या-106 में अनिवार्य रूप दिनांक 10.07.2026 शाय 05:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें। यदि आवेदन कार्यालय में प्राप्त नहीं होता है तो ऐसे प्रशिक्षार्थी का आवेदन निरस्त माना जायेगा।

हत्या के मामले में आरोपी को उम्रकैद, 10 हजार रुपये जुर्माना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जौनपुर की अदालत ने हत्या के एक मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, थाना महाराजगंज क्षेत्र के उमरीकला निवासी सुनील शर्मा पुत्र स्व. महेंद्र कुमार शर्मा के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज था। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषसिद्ध पाया। शनिवार को सुनाए गए फैसले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को आजीवन कारावास तथा 10,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि अर्थदंड जमा न करने की स्थिति में आरोपी को छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

14 वर्षीय किशोर का शव मिलने से सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के पिपरा गांव में 14 वर्षीय किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में जंगल में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी आरूष यादव (14) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आरूष घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा खोजबीन के दौरान उसका शव गांव के समीप जंगल में मिला। शव पर कई चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामले को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को किशोर की जेब से एक माचिस तथा घटनास्थल के पास से बीड़ी का बंडल बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

यूपी बोर्ड का बड़ा फैसला: जौनपुर के 10 समेत 70 जिलों के 465 विद्यालयों की मान्यता समाप्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के 70 जिलों के 465 वित्तविहीन विद्यालयों की मान्यता समाप्त कर दी है। इनमें जौनपुर जिले के 10 विद्यालय भी शामिल हैं। यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी सूचना के अनुसार जिन विद्यालयों में लगातार दो वर्षों तक कक्षाओं का संचालन नहीं हुआ अथवा वर्ष 2025 और 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में कोई भी परीक्षार्थी शामिल नहीं हुआ, उनकी मान्यता माध्यमिक शिक्षा अधिनियम के तहत स्वतः समाप्त मानी गई है। बोर्ड ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को ऐसे विद्यालयों की सूची का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को अमान्य विद्यालयों की जानकारी मिल सके और वे प्रवेश लेने से पहले सतर्क रहें। जौनपुर के जिन 10 विद्यालयों की मान्यता समाप्त हुई है, उनमें बीएसएम पीडी इंटर कॉलेज शाहगंज, विर्जा इंटर कॉलेज वाजिदपुर, छिट्टन राम हाईस्कूल जमालपुर, गीता ज्ञान मंदिर हाईस्कूल मुरादगंज, इंटेलेक्चुअल हाई स्कूल जौनपुर, रायभय आरएसबी हाईस्कूल जौनपुर, श्री उमा शंकर हाईस्कूल सोहंसा, राजपति विश्वकर्मा हाई स्कूल बदलापुर, राजाराम यादव इंटर कॉलेज जौनपुर तथा गुलाब पट्टी देवी यूएमवी जौनपुर शामिल हैं। यूपी बोर्ड की इस कार्रवाई से प्रदेश भर के विद्यालय संचालकों में हड़कंप मच गया है। वहीं शिक्षा विभाग ने छात्रों और अभिभावकों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही प्रवेश लेने की अपील की है।

नेवढ़िया पुलिस ने तमंचे के साथ युवक को दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेवढ़िया थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से .32 बोर का एक देशी तमंचा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर लाखापुर नहर पुल के पास चेकिंग के दौरान राकेश चौहान पुत्र राधेश्याम चौहान निवासी गुतवन, थाना नेवढ़िया को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से .32 बोर का एक देशी तमंचा बरामद हुआ। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना नेवढ़िया में मुकदमा संख्या 173/26, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिवभंजन प्रसाद, हेड कांस्टेबल दीनानाथ भास्कर, हेड कांस्टेबल घनश्याम सिंह तथा कांस्टेबल रामसिंह शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से जनपद जौनपुर से एक अच्छा संदेश जाए: जिलाधिकारी

- सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के क्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने शाही किला परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कॉमन योग प्रोटोकॉल के पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल के निर्देशन में आयोजित इस पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने समस्त सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल एक जनकल्याणकारी पहल है, जो सीधे तौर पर नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़ी हुई है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद जौनपुर से योग के क्षेत्र में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश जाना चाहिए। इसके लिए अधिक से अधिक युवाओं को योग दिवस से जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि इस वर्ष की थीम को सार्थक रूप से साकार किया जा सके। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास पतंजलि योग समिति, उत्तर प्रदेश के सह-राज्य प्रभारी श्री अचल हरिमूर्ति तथा आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक श्री विकास कुमार एवं श्री जगदीश द्वारा कराया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को खड़े होकर, बैठकर एवं लेटकर किए जाने वाले विभिन्न योगासनों के साथ-साथ ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक योग संकल्प एवं शांति पाठ के साथ हुआ। इसी क्रम में लोहिया पार्क में भी योग प्रशिक्षक अरविंद कुमार एवं अन्य प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल, आयुष विभाग के समस्त कर्मचारीगण तथा अन्य योग प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार भतीजे की मौत, चाचा गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंघई क्षेत्र के भूलेन्द्र जयसिंहपुर गांव के पास बृहस्पतिवार देर रात तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। भदोही जिले के दुगार्गंज थाना क्षेत्र के भंडा गांव निवासी दिनेश कुमार गौतम 22 वर्ष पुत्र राम बहादुर अपने चाचा पिंटू गौतम के साथ बृहस्पतिवार रात जंघई बाजार से पंखा बनवाकर बाइक से घर लौट रहे थे। सरायममरेज थाना क्षेत्र की जंघई चौकी अंतर्गत भूलेन्द्र जयसिंहपुर गांव के पास पहुंचे ही थे कि दुगार्गंज की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिनेश कुमार गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चाचा पिंटू गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची जंघई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल पिंटू गौतम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक दिनेश कुमार गौतम तीन भाई में बीच का है सूरत में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। वह 10 दिन पहले ही घर आया था। मृतक की शादी दो साल पहले हुई थी। पत्नी श्रद्धा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक का एक साल का बेटा भी है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष सरायममरेज अरुण कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल का इलाज चल रहा है। टक्कर मारने वाली बोलेरो की तलाश की जा रही है। जगह-जगह सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर कांग्रेसजनों ने काटा केक, किया सामूहिक भोज का आयोजन

बलरामपुर, 19 जून (उत्तर शक्ति)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित होटल रिश्ता दरबार में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद चंद्रभालमणि तिवारी, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मंगलदेव सिंह तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवराम सिंह रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ह्यधीरूह्ल ने किया, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी धीरज गुर्जर द्वारा वीडियो कॉल के माध्यम से राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने से हुई। इसके पश्चात नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जन्मदिवस मनाया तथा उपस्थित लोगों को सामूहिक भोज कराया।

पूर्व सांसद चंद्रभालमणि तिवारी ने कहा कि देश लोकतांत्रिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है और राहुल गांधी संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

पूर्व विधायक मंगलदेव सिंह ने कहा कि राहुल गांधी लगातार जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं और विपक्ष की एक सशक्त आवाज के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ह्यधीरूह्ल ने कहा कि राहुल गांधी युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीब वर्ग की आवाज बनकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश को उनके नेतृत्व से नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि राहुल गांधी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दे रहे हैं तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने राहुल गांधी को जननायक बताते हुए कहा कि वे गरीबों, किसानों, महिलाओं, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं की आवाज हैं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत हैं।

कार्यक्रम को पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं एआईसीसी सदस्य राजबहादुर यादव, जिला कोऑर्डिनेटर विनय कुमार मिश्रा सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया और राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डॉ. प्रतीक मिश्रा, सफीक खान, संजय यादव, डॉ. अब्दुल मन्नान, अवधेश पाल, संगम लाल शिल्पकार, राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, मनीष चंद्र सोनकर, जद्दन खान, उमाशंकर तिवारी, डॉ. इश्तियाक खान, बबीता आर्य, डॉ. खलीलुल्लाह, मारकंडे मिश्र, अफरोज खान, रामबहादुर, अखिलेश प्रसाद मिश्रा, विजयपाल सिंह, इबरार अहमद, केदारनाथ पांडे, हेमा तिवारी, इनायत फिरोज, धर्मेंद्र मिश्र, डॉ. राकेश तिवारी, प्रदीप शर्मा, विश्वनाथ यादव, डॉ. रोशन लाल यादव, लालबाबू शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान तथा अधिवक्ता संतोष पांडे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीजीटी परीक्षा में साल्वर बैठाकर नकल कराने वाले गिरोह के दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चेतगंज थाना पुलिस ने टीजीटी परीक्षा में अभ्यर्थियों के स्थान पर साल्वर बैठाकर परीक्षा दिलाने वाले गिरोह के दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

एसीपी चेतगंज एवं थाना प्रभारी चेतगंज के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना तथा सर्विलांस की मदद से चौकाघाट क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धीरेन्द्र कुमार (31 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय हरदेव, निवासी जनपद बलिया तथा गिरिजा शंकर (41 वर्ष), पुत्र रामनाथ, निवासी जनपद बलिया के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी टीजीटी परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थियों को बैठाकर परीक्षा दिलाने वाले गिरोह से जुड़े हुए हैं और काफी समय से वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला, चौकी प्रभारी लहुराबीर विकल शांडिल्य, चौकी प्रभारी चेतगंज वैभव शुक्ला, कांस्टेबल रितिक राज, अनुज कुमार, प्रशांत तिवारी तथा सर्विलांस सेल की टीम शामिल रही। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई करते हुए गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

शिवपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, एक की मौत, महिला गंभीर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के तरना ओवरब्रिज पर शुक्रवार देर रात (करीब 12:30 बजे) एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक लापरवाही से आ रही तेज रफ्तार कार (वढ 65 एड 8955) ने मोटरसाइकिल (वढ 65 ऊड 1151) को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से घायल है।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची शिवपुर पुलिस ने घायल महिला को तुरंत रोहित हॉस्पिटल में भर्ती कराया है, जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए शवगृह (मर्चरी) में रखवा दिया है। फिलहाल उसकी शिनाख्त की कोशिशें जारी हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक दोनों को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षतिग्रस्त वाहनों के कागजातों और स्थानीय लोगों की मदद से मृतक के परिजनों से संपर्क साधने का प्रयास किया जा रहा है।

रिन्यूएबल एनर्जी एक्सपो 2026 में डीएससीआरडी ने किया अत्याधुनिक सोलर डिहाइड्रेशन सिस्टम का

पटना(उत्तरशक्ति)। बिहार में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नाबार्ड समर्थित सोलर डिहाइड्रेशन योजना का क्रियान्वयन डीएससीआरडी (दीप्ती श्रीवास्तव सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट) द्वारा किया जा रहा है। इस पहल के तहत किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों एवं कृषि उद्यमियों को फल एवं सब्जियों के प्रसंस्करण के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

ज्ञान भवन में इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिन्यूएबल एनर्जी एक्सपो 2026 में स्टॉल संख्या 4 एवं 5 में लगे डीएससीआरडी के स्टॉल पर किसानों एवं उद्यमियों का जमावड़ा लगा। स्टॉल का मुख्य आकर्षण 500 किलोग्राम क्षमता वाले अत्याधुनिक सोलर डिहाइड्रेशन सिस्टम का प्रदर्शन रहा। डीएससीआरडी के संस्थापक संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में इस योजना के लिए सोलर बास्केट इंजीनियरिंग, पुणे को टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में जोड़ा गया है। सोलर बास्केट के संस्थापक एवं निदेशक निखिल चोंदे ने कहा कि अत्याधुनिक सोलर डिहाइड्रेशन सिस्टम में 500 किलोग्राम क्षमता का पूर्णतः सौर ऊर्जा आधारित ड्रायर, स्लाइसर जैसी प्री-प्रोसेसिंग मशीनें तथा वजन मशीन, सीलिंग मशीन एवं बेसिक पैकेजिंग उपकरण जैसी पोस्ट-प्रोसेसिंग सुविधाएं शामिल है। यह तकनीक किसानों को सौर ऊर्जा के माध्यम से बड़े पैमाने पर फल एवं सब्जियों का संरक्षण करने में सक्षम बनाएगी।

इससे फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान (पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस) में कमी आएगी, अतिरिक्त उत्पादन के दौरान कम कीमत पर बिक्री की मजबूरी घटेगी तथा उत्पादों की शेल्फ लाइफ में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि सोलर डिहाइड्रेशन योजना से बिहार के किसानों को नया बाजार मिलेगा। वहीं सोलर बास्केट के अन्य संस्थापक एवं निदेशक अक्षय बमनोटे बताया कि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को डिहाइड्रेशन प्रक्रिया, मानक संचालन प्रक्रिया, स्वच्छता, ग्रेडिंग, पैकेजिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

इसका उद्देश्य ऐसे उत्पाद तैयार करना है जो पैकेज्ड फूड इंडस्ट्री और निर्यात बाजार की गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। बाजार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्वी फूड्स, पुणे चयनित डिहाइड्रेटेड फल एवं सब्जियों के लिए पांच वर्षों का बायबैक एग्रीमेंट करेगी। इससे किसानों एवं कृषि उद्यमियों को उत्पादों की बिक्री के लिए स्थायी और भरोसेमंद बाजार उपलब्ध होगा। नाबार्ड के सहयोग, डीएससीआरडी के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सोलर बास्केट की तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से यह पहल बिहार में सोलर डिहाइड्रेशन आधारित कृषि-प्रसंस्करण इकोसिस्टम के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

फर्जी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों पर लगेगी लगाम, बिना पहचान पत्र नहीं होगा निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। खाद्य कारोबारियों को फर्जी अधिकारियों के नाम पर होने वाले उत्पीड़न और अवैध वसूली से राहत दिलाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। अब विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना विभागीय पहचान पत्र (आईडी कार्ड) के किसी होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकान, किराना प्रतिष्ठान अथवा अन्य खाद्य कारोबार से जुड़े संस्थान का निरीक्षण, सैंपलिंग या प्रवर्तन संबंधी कार्रवाई नहीं कर सकेगा। खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकृत अधिकारियों और कर्मचारियों को विभागीय पहचान पत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बताकर जांच करने पहुंचे और विभागीय पहचान पत्र प्रस्तुत न कर सके, तो उसे अधिकृत अधिकारी नहीं माना जाएगा। ऐसे लोगों को किसी प्रकार का सहयोग न करने की भी अपील की गई है। विभाग ने फर्जी अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था भी की है। ऐसे मामलों की सूचना तत्काल जिलाधिकारी को देने के साथ-साथ विभाग के मुख्यालय के व्हाट्सएप नंबर 9793429747 अथवा ई-मेल fdaupgov@gmail.com पर भेजी जा सकती है। विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से फर्जी निरीक्षण, भयादोहन और अवैध वसूली जैसी शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

खाद्य व्यापार मंडल वाराणसी ने विभाग के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे व्यापारियों के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। मंडल के अध्यक्ष नवरतन राठी ने कहा कि लंबे समय से कुछ असामाजिक तत्व स्वयं को खाद्य सुरक्षा अधिकारी या सुपरवाइजर बताकर व्यापारियों को डराने-धमकाने और अवैध वसूली करने का प्रयास कर रहे थे। विभाग का यह आदेश ऐसे फर्जी लोगों पर प्रभावी रोक लगाएगा और ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक मानसिक एवं आर्थिक उत्पीड़न से राहत मिलेगी।

इंदौर -उज्जैन ग्रीन फील्ड कांरिडोर का भूमिपूजन संपन्न

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मालवा की सबसे बड़ी सड़क परियोजना शुरू होने जा रही है, जिससे इंदौर से उज्जैन का सफर महज 35 मिनट में पूरा हो सकेगा। इंदौर के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रावतीगंज में इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का भूमिपूजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री मनोहरलाल खट्टर शामिल थे। वहीं, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट भी मौजूद रहे। करीब 48 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण लगभग 2935 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। यह मार्ग इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर के पास सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। इसके बनने से इंदौर और उज्जैन के बीच यात्रा तेज और सुगम होगी। खासकर सिंहस्थ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

इस परियोजना के लिए कुल 917 किसानों की 242.939 हेक्टेयर जमीन प्रभावित हुई है। सरकार ने इसके बदले किसानों को 816 करोड़ रुपए से अधिक मुआवजा दिया है। खास बात यह रही कि किसानों को कलेक्टर गाइडलाइन के बजाय बाजार और बिक्री दरों के आधार पर 4 से 8 गुना ज्यादा मुआवजा दिया गया, जिसे प्रदेश में पहली बार लागू किया गया है। ग्रीन कॉरिडोर से इंदौर जिले के 20 गांव और उज्जैन जिले के 8 गांव सीधे जुड़ेंगे। इसके अलावा आसपास के 40 से 50 गांवों के करीब 15 लाख लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालु एयरपोर्ट से सीधे इस कॉरिडोर के जरिए उज्जैन पहुंच सकेंगे, जिससे सिंहस्थ के दौरान ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

कुष्ठ रोग मुक्त दिव्यांगजनों की सक्रिय सहभागिता, सीआरसी वाराणसी में समावेशी योग कार्यक्रम आयोजित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी),खुशीपुर वाराणसी द्वारा एनएलआर इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से एक विशेष समावेशी योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कुष्ठ रोग मुक्त दिव्यांगजनों द्वारा सक्रिय रूप से योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर सीआरसी के स्टाफ के साथ-साथ कुष्ठ रोग से मुक्त व्यक्तियों एवं दिव्यांगजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम ने समावेशी योग की सशक्त मिसाल प्रस्तुत की, जहाँ सभी प्रतिभागियों ने समान रूप से सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा समाज में समावेशिता की भावना को सुदृढ़ करना रहा।कार्यक्रम में सीआरसी निदेशक आशीष कुमार झा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया तथा समावेशी सहभागिता का संदेश दिया। इस अवसर पर एनएलआर इंडिया फाउंडेशन के राज्य समन्वयक बिपिन सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखा गया तथा योग के माध्यम से एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया गया।

पीएम स्वनिधि योजना के 06 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में हुआ पीएम स्वनिधि महोत्सव का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीएम स्वनिधि योजना के 06 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 20 जून शनिवार को नगर पालिका परिषद जौनपुर के टाउन हॉल मैदान में आयोजित स्वनिधि महोत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक विद्यालय आरा, बदलापुर एवं बक्शा के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।

मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद श्री बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने रेहड़ी, पटरी और छोटे व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर सरकार छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। पीएम स्वनिधि योजना ने छोटे कारोबारियों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। डॉ0 राम सूरत मौर्या ने कहा कि सरकार की योजनाएं केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का माध्यम भी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि नगर क्षेत्र के पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पालिका लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिला है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को सम्मानित किया गया तथा उनके अनुभव भी साझा किये गये। लाभार्थियों ने बताया कि सरकारी योजनाओं की सहायता से उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला है। इस मौके पर कर अधीक्षक अंजू राय, जितेंद्र सिंह, शहर मिशन प्रबन्धक, सभासद राहुल साहू, राजस्व निर्धारण अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, कर विभाग के समस्त राजस्व निरीक्षक, लिपिक, सीओ संदीप चौधरी, बृजनन्दन स्वरूप, राजस्व लिपिक रिजवान हैदर एवं समस्त कर संग्रह कर्ता तथा यूनियन बैंक व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

जनगणना के पहले पड़ाव पर यूपी की शत-प्रतिशत सफलता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने जनगणना-2027 के पहले चरण में बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य में 22 मई से 20 जून 2026 तक चले मकान-सूचीकरण एवं मकान जनगणना (हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस) का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। इसे जनगणना-2027 की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पड़ाव माना जा रहा है। इस महाअभियान के तहत प्रदेश के 75 जिलों, 350 तहसीलों, 17 नगर निगमों, 200 नगर पालिका परिषदों, 545 नगर पंचायतों, 13 छावनी परिषदों तथा आठ औद्योगिक टाउनशिप में व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण किया गया। लगभग 1.04 लाख गांवों और 14,983 वार्डों में बनाए गए 3,90,717 मकान-सूचीकरण ब्लॉकों में घर-घर जाकर आंकड़े जुटाए गए। इस विशाल कार्य को सफल बनाने के लिए करीब पांच लाख प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने भीषण गर्मी के बावजूद घर-घर पहुंचकर सूचनाएं एकत्र कीं। उनके समर्पण और मेहनत के कारण निर्धारित समय में पूरा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने इस सफलता का श्रेय मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन तथा भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त के प्रभावी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन को दिया है। निदेशालय ने कहा कि शासन स्तर से मिले सहयोग और प्रशासनिक समन्वय के कारण इतने बड़े अभियान को समयबद्ध ढंग से पूरा करना संभव हो पाया। अभियान में सभी जिलाधिकारियों, नगर आयुक्तों, जिला जनगणना अधिकारियों, अपर नगर आयुक्तों, चार्ज अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन द्वारा मुंबई हेल्थ समिट 2026 में एनीमिया एवं कैंसर रोकथाम पर परिचर्चा संपन्न

मुंबई। भारत में एनीमिया और कैंसर के बढ़ते बोझ को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों, राजनयिकों, न्यायविदों, शिक्षाविदों तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मुंबई हेल्थ समिट 2026 में एकत्र होकर प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तथा कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया। यह समिट ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन (ल्रउऋ) द्वारा, जिसे संयुक्त राष्ट्र में विशेष परामर्शदात्री दर्जा प्राप्त है, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि एनीमिया भारत की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठऋ्रल्रर-5) के अनुसार, 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं। इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं बल्कि शिक्षा, कार्यक्षमता, मातृ स्वास्थ्य तथा आने वाली पीढ़ियों के विकास पर भी पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि किशोरियों में नियमित रक्त जांच, पोषण संबंधी जागरूकता, समय पर चिकित्सकीय परामर्श और फॉलो-अप एनीमिया रोकथाम के सबसे प्रभावी उपायों में शामिल हैं।

समिट में देश-विदेश की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लियाः प्रमुख प्रतिभागियों में सुश्री सोफिया कोराक, पूर्व डिप्टी हेल्थ अटैची, यू.एस. मिशन, जिनेवा; महामहिम मुस्तफा केमालेत्तिन एरुयगुर, तुर्किये गणराज्य के मुंबई स्थित महावाणिज्यदूत; न्यायमूर्ति अभय थिप्से, पूर्व न्यायाधीश, बॉम्बे एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय; न्यायमूर्ति एम. ए. सईद, पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग; डॉ. फेरोज सिधवा, अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ट्रॉमा एवं क्रिटिकल केयर सर्जन; हैरॉल्ड डी'सूजा, सदस्य, यू.एस. एडवाइजरी काउंसिल ऑन ह्यूमन ट्रैफिकिंग; डेल्फिन गिडुकोस (फिलीपींस); डॉ. कृपानिधि नायक, एनीमिया विशेषज्ञ (लंदन), सुश्री चितोसे नाम्बोकू (जापान) तथा डॉ. अमित पारिख, सीईओ, क्रिटिकेयर एशिया हॉस्पिटल ग्रुप शामिल रहे। इसके अतिरिक्त ए. अली अजीजी (पूर्व निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र), पद्मश्री डॉ. आर्मिडा फर्नांडिस, डॉ. सुदेशना रे, डॉ. हितेश आर. सिंहवी, डॉ. श्रीनाथ क्षीरसागर, डॉ. सुषेन भट्ट तथा डॉ. आदिल पटेल सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।

समिट को संबोधित करते हुए डॉ. फैजान ए. अजीजी, संस्थापक एवं अध्यक्ष, ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन तथा संयुक्त राष्ट्र में मुख्य प्रतिनिधि, ने कहाः श्हर आंकड़े के पीछे एक इंसानी जीवन, एक परिवार और एक भविष्य जुड़ा होता है। एनीमिया और कैंसर केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं नहीं बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियां भी हैं।

समिट के दौरान मोबाइल हेल्थकेयर यूनिट का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य झुग्गी बस्तियों, दूरदराज क्षेत्रों और वंचित समुदायों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन और क्रिटिकेयर एशिया हॉस्पिटल ग्रुप के बीच सहयोग समझौता भी हुआ। इसके तहत स्कूल जाने वाली बालिकाओं के लिए एनीमिया जांच के लिए निःशुल्क रक्त जांच और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा।

समिट में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि एनीमिया और कैंसर जैसी चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों, नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों, नीति निमार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच प्रभावी सहयोग आवश्यक है।समिट का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि निवारक स्वास्थ्य सेवाएं, सस्ती चिकित्सा, समय पर जांच और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचाई जाएं। ह्यूमन सोशल केयर फाउंडेशन ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के समर्थन हेतु अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, डॉ. रेहान शेख, इमरान खान, सुरेश यादव तथा सैयद खलील ने न केवल मुंबई हेल्थ समिट 2026 में सक्रिय रूप से भाग लिया बल्कि आगे भी सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया।

सिम्पोसिया के 13वें संस्करण में इशरे (ISHRAE) मुंबई चैप्टर ने रचा नया इतिहास

मुंबई। ISHRAE (इशरे) मुंबई चैप्टर की टीम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब कोई संगठन उद्योग और देशहित को केंद्र में रखकर एक साझा लक्ष्य के लिए समर्पित भाव से कार्य करता है, तो असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। मुंबई के सहारा स्टार होटल में आयोजित सिम्पोसिया 2025 के 13वें संस्करण ने इसी समर्पण और टीमवर्क का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान इशरे के वरिष्ठ प्रेसिडेंशियल सदस्यों से लेकर भविष्य के युवा नेतृत्व, महिला सदस्यों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया। मीडिया से बातचीत करते हुए इशरे मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष मुकेश सुथार, निर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार वर्मा तथा उनकी टीम ने बताया कि यह आयोजन चैप्टर के प्रमुख तकनीकी कार्यक्रमों में से एक है। उन्होंने कहा कि 400 से अधिक पेड रजिस्ट्रेशन और कुल 600 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति किसी एक दिन का परिणाम नहीं, बल्कि कई महीनों की योजनाबद्ध मेहनत और टीम की एकजुटता का नतीजा है। इस सफल आयोजन के साथ इशरे मुंबई चैप्टर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है।

सिम्पोसिया 2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं, जिनमें शामिल हैं:

डेटा सेंटर क्षेत्र से संबंधित व्हाइट पेपर का प्रकाशन

इशरे डेटा सेंटर जर्नल का निर्धारित समय से पहले विमोचन

उद्योग के वरिष्ठ नेताओं के साथ उच्चस्तरीय राउंडटेबल बैठक

अगले वर्ष आयोजित होने वाले सिम्पोसिया टेक्निकल कॉन्फ्रेंस की औपचारिक शुरूआत की घोषणा

अमेरिका, यूएई, इजराइल और इटली सहित कई देशों से विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिभागियों की भागीदारी

विश्वप्रसिद्ध लॉरेंस बर्कले को अंतरराष्ट्रीय नॉलेज पार्टनर के रूप में जोड़ना

आयोजन की सफलता में प्रोग्राम चेयर राजेश शाह, सोशल मीडिया एवं मार्केटिंग प्रमुख अमे चौधरी, जिग्नेश, देवदत्त कडलक, सागर, दबीर, अतीत शर्मा तथा इशरे मुंबई की महिला टीम की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। मुकेश सुथार ने आयोजन में सहयोग देने वाले आर. डी. वेस्ट, अजाज काजी, क्रल्फ्अए मुंबई चैप्टर के सभी प्रेसिडेंशियल सदस्यों तथा छात्र अध्यक्षों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विहिप प्रखंड अध्यक्ष का धूम धाम से मना जन्म दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जौनपुर जिला अंतर्गत मीरगंज उमरी ग्राम निवासी, विश्व हिंदू परिषद मछली शहर प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय का जन्म दिन धूम धाम से मनाया गया ! मीरगंज स्थित प्रतिष्ठान पांडेय टायर्स एवं क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर उनके शुभ चिंतकों ने केक काट कर गुलदस्ता एवं शाल भेट किया ! विश्व हिंदू परिषद के मछली शहर प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय हर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है ! जन्म दिन की बधाई देने वालों में क्षेत्र के गणमान्यों में समाज सेवक पं. गिरजा शंकर तिवारी, भावी ब्लॉक प्रमुख हनुमंत पाण्डेय , विनोद पांडेय , बालेश्वर तिवारी, संतोष शुक्ला, अखिलेश शुक्ला, अनिल दुबे, वेद प्रकाश उपाध्याय, आशीष पांडेय, राजकुमार सिंह, विपिन मिश्रा, सुनील पांडेय, अश्विन पांडेय, गौरव पांडेय, अजय पांडेय के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में लोगों ने बधाई दी।

निकोला टेस्ला का 369 सिद्धांत

गणित, समरूपता और सार्वभौमिक प्रतिरूपों की खोज

यह लेख भारत के दो महानतम गणितीय दूरदर्शियों–आर्यभट और श्रीनिवास रामानुजन–को समर्पित है। आर्यभट ने शून्य और गणितीय चिंतन की नींव को सुदृढ़ किया, जबकि रामानुजन ने गणित को ब्रह्मांड की गहन भाषा के रूप में देखा। उनका विश्वास था कि प्रकृति के रहस्य संख्याओं और प्रतिरूपों में छिपे हैं।

आकाशगंगाओं की सर्पिल संरचनाओं से लेकर वृक्षों की शाखाओं, संगीत की लय और परमाणुओं की बनावट तक, गणितीय पैटर्न प्रकृति के हर स्तर पर दिखाई देते हैं। इसी संदर्भ में महान आविष्कारक निकोला टेस्ला का 3, 6 और 9 संख्याओं के प्रति आकर्षण विशेष महत्व रखता है।

टेस्ला ने प्रत्यावर्ती धारा (AC) प्रणाली के विकास के माध्यम से आधुनिक विद्युत युग की नींव रखी। वे केवल वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि ऐसे चिंतक भी थे जिन्हें आवृत्ति, कंपन, अनुनाद और प्रकृति के छिपे गणितीय क्रम में गहरी रुचि थी। उनके नाम से जुड़ा एक प्रसिद्ध कथन है:

यदि आप 3, 6 और 9 की भव्यता को समझ लें, तो आपके पास ब्रह्मांड की कुंजी होगी।

हालाँकि इस कथन के आधार पर कोई औपचारिक वैज्ञानिक सिद्धांत या शोध-पत्र उपलब्ध नहीं है, फिर भी इसने दशकों से गणितीय और दार्शनिक चचाओं को प्रेरित किया है।

3, 6 और 9 के पीछे का गणित

यदि किसी संख्या को बार-बार 2 से गुणा किया जाए और प्रत्येक परिणाम का डिजिटल रूट (अंकों का योग करके एक अंक प्राप्त करना) निकाला जाए, तो रोचक पैटर्न दिखाई देते हैं।

1 से शुरू करें:

1 -2 -4 -8 -16 -32-64 -128

डिजिटल रूट:

1 - 2 - 4- 8 - 7 - 5 - 1

यह छह संख्याओं का आवर्ती चक्र बनाता है:

1, 2, 4, 8, 7, 5

अब 3 को देखें:

3X2 = 6

6X2 = 12-1 + 2 = 3

अथार्त:

3 -6

जबकि 9 का व्यवहार अलग है:

9X2 = 18- 9

9 X3 = 27 - 9

9X4 = 36- 9

डिजिटल रूट प्रणाली में 9 एक विशेष संख्या की तरह व्यवहार करती है और अपने गुणजों में स्वयं को बनाए रखती है।

ज्यामिति और प्राकृतिक संरचनाएँ

संख्या 3, 6 और 9 केवल अंकगणित तक सीमित नहीं हैं।

3- त्रिभुज की तीन भुजाएँ होती हैं। त्रिभुज सबसे स्थिर ज्यामितीय संरचना माना जाता है और इंजीनियरिंग में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

6- षट्भुज प्रकृति की सबसे कुशल आकृतियों में से एक है। मधुमक्खियों के छत्ते, हिमकण और अनेक क्रिस्टलीय संरचनाएँ छह-गुना समरूपता प्रदर्शित करती हैं।

9- गणित में सबसे बड़ी एकल-अंकीय संख्या है और अनेक संस्कृतियों में पूर्णता तथा चक्र की पूर्णता का प्रतीक मानी जाती है।

उदाहरण के लिए:

360° (वृत्त) - 3 + 6 + 0 = 9

पृथ्वी का लगभग व्यास 7,920 मील है:

7 + 9 + 2 + 0 = 18-1 + 8 = 9

हालाँकि ऐसे संख्यात्मक संयोग वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं, वे लोगों को पैटर्न खोजने के लिए प्रेरित अवश्य करते हैं।

कंपन, आवृत्ति और टेस्ला का दृष्टिकोण

टेस्ला अक्सर तीन शब्दों पर जोर देते थे:

ऊर्जा (Energy), आवृत्ति (Frequency) और कंपन (Vibration)

आधुनिक भौतिकी बताती है कि प्रकाश, ध्वनि और यहाँ तक कि क्वांटम स्तर पर पदार्थ भी तरंगों और दोलनों से जुड़ा हुआ है। इसी कारण कुछ लोग मानते हैं कि टेस्ला 3, 6 और 9 को किसी गहरी समरूपता या संगठनात्मक सिद्धांत के प्रतीक के रूप में देखते थे।

'वॉर्टेक्स मैथमैटिक्स' जैसी लोकप्रिय व्याख्याएँ 1-2-4-8-7-5 के चक्र और 3-6-9 की विशिष्ट स्थिति को विशेष महत्व देती हैं। हालांकि यह अवधारणा मुख्यधारा गणित या विज्ञान द्वारा स्वीकार नहीं की गई है।

एक वैज्ञानिक और दार्शनिक दृष्टि

369 अवधारणा का वास्तविक महत्व किसी रहस्यमय शक्ति में नहीं, बल्कि पैटर्न पहचानने की मानवीय क्षमता में है।

विज्ञान का इतिहास उन लोगों से भरा है जिन्होंने प्रकृति की जटिलता के पीछे छिपे नियम खोजे:

आइजैक न्यूटन ने गति के नियम दिए।

जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने विद्युत और चुंबकत्व को एकीकृत किया।

अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्पेस-टाइम की ज्यामिति को समझाया।

टेस्ला का 3, 6 और 9 के प्रति आकर्षण भी इसी परंपरा का हिस्सा माना जा सकता है–यह विश्वास कि प्रकृति के पीछे कोई गहरा गणितीय क्रम मौजूद है।

निष्कर्ष: 369 सिद्धांत को वैज्ञानिक तथ्य की बजाय गणितीय जिज्ञासा, दार्शनिक चिंतन और प्रतीकात्मक व्याख्या के रूप में देखना अधिक उचित है। यह हमें याद दिलाता है कि संख्याएँ केवल गणना के उपकरण नहीं हैं, वे उन पैटर्नों की भाषा भी हैं जिनके माध्यम से हम ब्रह्मांड को समझने का प्रयास करते हैं।

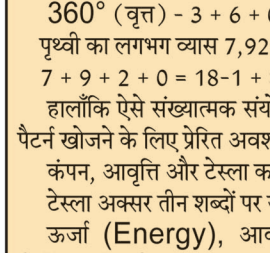

इसी भावना में हम आर्यभट, रामानुजन और टेस्ला जैसे महान मस्तिष्कों को स्मरण करते हैं, जिन्होंने अलग-अलग युगों में एक ही प्रश्न पूछा था–

क्या ब्रह्मांड वास्तव में संख्याओं की भाषा में संवाद करता है?

– लेखक: प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति

मानिकपुर बी .के .एस . स्कूल के पास ट्रांसफॉर्मर में धमाका, दो लोग मामूली रूप से घायल

वसई। वसई वेस्ट के मानिकपुर स्थित बीकेएस स्कूल के पास शनिवार को महावितरण के एक ट्रांसफॉर्मर में अचानक विस्फोट हो गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना में दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए। आग लगने से इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रांसफॉर्मर में अचानक धमाका होने के बाद आग की लपटें उठने लगीं। घटना की जानकारी मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन इंगोले ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर वसई-विरार महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना की खबर मिलते ही भाजपा नगरसेवक महेश सरवणकर, सामाजिक कार्यकर्ता अजिल चाको, जितेंद्र पांडे, उमेश मोरया, रमेश वलंत्रा सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर बीकेएस स्कूल के समीप स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक आते-जाते हैं। सौभाग्य से शनिवार होने के कारण स्कूल बंद था, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। नगरसेवक महेश सरवणकर ने बताया कि उन्होंने पिछले सप्ताह ही महावितरण अधिकारियों को पत्र लिखकर वसई क्षेत्र के ट्रांसफॉर्मरों, खुले डीपी बॉक्स, भूमिगत और ओवरहेड बिजली तारों की व्यापक जांच की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार ध्यान दिलाने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने मांग की कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पूरे क्षेत्र के विद्युत उपकरणों की तत्काल जांच की जाए। घटना की जानकारी मिलने पर नगरसेविका निम्मी दोशी और समाजसेवी निपुण दोशी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल दोनों व्यक्तियों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा कर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

पीएनबी की एफसीएनआर जमा पर प्रति वर्ष 6.60% तक की आकर्षक ब्याज दरों की पेशकश

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) [एफसीएनआर (बी)] जमा खातों पर और अधिक आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे अनिवासी भारतीय अपनी कमाई के अनुसार विदेशी मुद्रा में ही अपनी बचत बढ़ा सकेंगे, साथ ही उन्हें प्रतिस्पर्धी रिटर्न और पूरी तरह से पैसा स्वदेश भेजने की सुविधा भी मिलेगी। एफसीएनआर (बी) जमा योजना के अंतर्गत, ग्राहक पांच साल तक की अवधि की जमा राशि पर प्रति वर्ष 6.60% तक की ब्याज दरें अर्जित कर सकते हैं। यह योजना प्रमुख विदेशी मुद्राओं में उपलब्ध है, जिनमें यूएस डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, यूरो, कैनेडियन डॉलर और ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (एयूडी) शामिल हैं। पीएनबी की एफसीएनआर (बी) जमा योजना मुख्यतः कई लाभ भी प्रदान करती है, जिसमें एक वर्ष की लॉक-इन अवधि और मूलधन एवं ब्याज दोनों का पूर्ण प्रत्यावर्तन शामिल है। यह उन अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए एक आकर्षक निवेश विकल्प बनाता है जो अपनी विदेशी कमाई के प्रबंधन में लचीलापन बनाए रखने के साथ-साथ स्थिर रिटर्न पाना चाहते हैं।

भाजपा द्वारा 22 जून को विशेष प्रमाणपत्र शिविर का आयोजन

वसई। भारतीय जनता पार्टी केरल प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र के संयोजक उत्तम कुमार के मार्गदर्शन में नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आवश्यक प्रमाणपत्र एवं कार्ड बनवाने में सहायता हेतु एक विशेष प्रमाणपत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सोमवार, 22 जून 2026 को ग्रीन पार्क, शॉप नं. 2, भाजपा कार्यालय, इंडियन ऑक्सीजन बैंक के पास, शास्त्री नगर, वसई (पश्चिम) में आयोजित होगा। शिविर में नागरिकों को विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्रों एवं कार्डों की प्रक्रिया पूरी करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से आय प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक कार्ड, निवासी प्रमाणपत्र, आयुष्मान कार्ड तथा आभा कार्ड से संबंधित सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

इस शिविर का उद्देश्य पात्र नागरिकों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को सरल बनाना है। आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस विशेष प्रमाणपत्र शिविर का लाभ उठाएं।

वसई वेस्ट में 21 जून को ग्रैंड इंटरनेशनल योगा डे कार्यक्रम का आयोजन

वसई। भारतीय जनता पार्टी, वसई रोड मंडल के तत्वावधान में नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी द्वारा ग्रैंड इंटरनेशनल योगा डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 21 जून (रविवार) को सुबह 7:30 बजे से 8:30 बजे तक समाज मंदिर, महागणपति मंदिर के पास, ओमनगर, वसई वेस्ट में आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और बेहतर जीवन का आधार है। योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। इसी उद्देश्य से नागरिकों से अपने परिवार, मित्रों और सहकर्मियों के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर योग अभ्यास का लाभ लेने तथा योगमय भारत निरोगी भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया गया है। कार्यक्रम की संयोजक नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी हैं, जबकि सह-संयोजक के रूप में चारुशिला धरत और अंजिता कोली कार्यभार संभाल रही हैं। इस अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित, प्रज्ञा पाटिल, बिजेंद्र सिंह, मनोज पाटिल सहित वॉर्ड क्रमांक 23 के नगरसेवक एवं नगरसेविकाएं विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। आयोजकों ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उनका कहना है कि स्वस्थ नागरिक, सक्षम समाज और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए योग को जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

हैबिल्ड ने बनाया 10वां विश्व रिकॉर्ड: योग सप्ताह में 1 करोड़+ लोग जुड़े

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले, भारत का आदर्त निर्माण वेलनेस प्लेटफॉर्म हैबिल्ड ने अपना 10वां विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है। सिर्फ. एक सप्ताह में 1 करोड़ से अधिक लोग इसके योग आंदोलन से जुड़े, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े सामुदायिक वेलनेस अभियानों में से एक बन गया है। यह उपलब्धि हैबिल्ड की राष्ट्रव्यापी पहल हर घर योगा. हर दिन होगा. के तहत हासिल की गई, जो लोगों को योग को साल में सिर्फ.एक दिन तक सीमित रखने के बजाय रोजाना की आदत बनाने के लिए प्रेरित करती है। इस साल के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्दी एजिंगह्व के अनुरूप, यह पहल इस बात पर जोर देती है कि रोजाना योग अभ्यास लंबे समय तक शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ उम्र बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आंदोलन में अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली, जिसमें एक ही दिन में 20 लाख से अधिक लोग जुड़े। यह बदलाव रोकथाम आधारित वेलनेस और टिकाऊ आदत निर्माण की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है। पहल लगातार गति पकड़ रही है, क्योंकि भारत और दुनिया भर से प्रतिभागी एक सप्ताह लंबे विश्व रिकॉर्ड प्रयास में शामिल हो रहे हैं, जिसका समापन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होगा। आईआईटी एलुमनस, सरकार द्वारा प्रमाणित योग विशेषज्ञ और हैबिल्ड के सह संस्थापक सौरभ बोथरा द्वारा स्थापित इस प्लेटफॉर्म ने दुनिया के सबसे बड़े वेलनेस समुदायों में से एक का निर्माण किया है।